संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 305
पृष्ठ 8
रविवार
27 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सावन में बनाएं मीठी आलू टिक्की...

विचार- मताधिकार खोने का भयानक खेल

खेल- 77 साल बाद इंग्लैंड के शीर्ष-4...

करगिल दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मु ने सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली, एजेंसी। करगिल विजय दिवस के अवसर पर शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 1999 के करगिल युद्ध के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की और इस दिन को देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले भारतीय सैनिकों के असाधारण पराक्रम, अटूट साहस और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक बताया।

राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में लिखा, "करगिल विजय दिवस के अवसर पर मैं मातृभूमि के लिए प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। यह दिन हमारे जवानों के असाधारण पराक्रम, साहस और दृढ़ निश्चय का प्रतीक है। राष्ट्र के लिए उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा।"

गौरतलब है कि करगिल विजय दिवस प्रतिवर्ष 26 जुलाई को मनाया जाता है। यह ऑपरेशन विजय के सफल समापन का प्रतीक है जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने जम्मू–कश्मीर के करगिल सेक्टर में आतंकवादियों के वेश में घुसपैठ करने वाले पाकिस्तानी सैनिकों से महत्वपूर्ण रणनीतिक ठिकानों पर पुनः कब्जा कर तिरंगा फहराया था। साठ दिनों से अधिक समय तक चला यह युद्ध भारत की निर्णायक जीत के साथ समाप्त हुआ। इस दिन पूरे भारत के लोग वीर सैनिकों को याद करने और उनका सम्मान करने के लिए एक साथ आते हैं। यह पवित्र दिन ऑपरेशन विजय की सफल परिणति का स्मरण कराता है।

यह युद्ध मई 1999 में शुरू हुआ जब पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा पार करके भारतीय चौकियों पर कब्जा कर लिया और श्रीनगर को लेह से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 1ए से संपर्क तोड़ने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में भारत ने एक सुनियोजित सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें दुर्गम इलाकों और शून्य से नीचे के तापमान के बावजूद अपने अदम्य शौर्य का परिचय देते हुए पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया और करगिल फतह किया।

तोलोलिंग, टाइगर हिल और पॉइंट 4875 जैसे ऐतिहासिक स्थल बलिदान के प्रतीक बन गए और राष्ट्रीय स्मृति में हमेशा के लिए अंकित हो गए। कैप्टन विक्रम बत्रा, मेजर राजेश अधिकारी, कैप्टन अनुज नैयर, ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव और राइफलमैन संजय कुमार जैसे वीर भारतीय वीरता के प्रतीक बनकर उभरे।

करगिल युद्ध 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ, जिसमें भारत ने नियंत्रण रेखा पार किए बिना सभी ठिकानों पर अपना नियंत्रण कर लिया – जिससे उसे उल्लेखनीय सैन्य संयम का परिचय मिला और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति मिली।

हमारे बहादुर जवानों की कुर्बानी प्रेरणा देती रहेगी - प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। कारगिल विजय दिवस के पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1999 के कारगिल युद्ध में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को आज श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने इस दिन को भारत के उन वीरों के अद्वितीय साहस और अदम्य साहस की याद दिलाने वाला बताया जिन्होंने सर्वोच्च चोटियों पर राष्ट्र के सम्मान की रक्षा की। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखें एक पोस्ट में कहा, "कारगिल विजय दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह अवसर हमें भारत माता के उन वीर सपूतों के अद्वितीय साहस और पराक्रम की याद दिलाता है जिन्होंने राष्ट्र के गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने का उनका जुनून हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। जय हिंद!" राष्ट्र 26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर समूचा भारत उन वीर सैनिकों को याद करने और उनका सम्मान करने के लिए एकजुट होता हैं जिन्होंने 1999 में अद्वितीय साहस और दृढ़ संकल्प के साथ कारगिल की चोटियों पर पुनः विजय प्राप्त की थी। यह पवित्र दिवस ऑपरेशन विजय की सफल परिणति का स्मरण कराता है जब भारतीय सेना ने कारगिल क्षेत्र की रणनीतिक चोटियों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़कर राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा की थी। यह संघर्ष मई 1999 में उस समय शुरू हुआ जब पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा पार कर राष्ट्रीय राजमार्ग एकए – श्रीनगर को लेह से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग को काटने के उद्देश्य से भारतीय ठिकानों पर कब्जा कर लिया। जवाब में भारत ने एक सुनियोजित सैन्य अभियान शुरू किया जिसमें खतरनाक इलाकों और शून्य से नीचे के तापमान में लड़े गई भीषण संघर्ष शामिल थे।

राष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में शाह ने दिए अहम निर्देश

आतंकी संचार-नशे की समस्या से निपटने की तैयारी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवादी समूहों द्वारा एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करने पर चिंता जताई और साथ ही इस समस्या से निपटने के लिए एक विशेष मंच स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि आतंकी संगठनों के सोशल मीडिया के जरिए खुफिया संचार पर लगाम कसी जा सके। गृह मंत्री ने भगोड़ों को वापस लाने के लिए भी एक मजबूत तंत्र और बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपील की। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 8वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ये बातें कही। इस सम्मेलन में देशभर से 800 के करीब अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें से कुछ भौतिक तो कुछ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विचार विमर्श किया गया। सम्मेलन के पहले दिन राष्ट्र के हितों के खिलाफ रहने वाले बाहरी तत्वों की भूमिका और मादक पदार्थों के व्यापार में उनकी संलिप्तता सहित उनके घरेलू संबंधों के मुद्दे पर मंथन हुआ। इनमें आतंकी समूहों द्वारा इस्तेमाल की जानी वाली एन्क्रिप्टेड संचार ऐप्स और अन्य नई तकनीकों के गलत इस्तेमाल से पैदा हुईं चुनौतियों पर बात हुई। साथ ही भीड़ प्रबंधन, निर्जन द्वीपों की सुरक्षा के मुद्दे पर मंथन हुआ। आतंकवाद के वित्तपोषण से मुद्दों पर भी विचार–विमर्श किया गया। गृह मंत्री ने आतंकवादी और तस्करी गतिविधियों में शामिल भगोड़ों को वापस लाने के लिए कड़े उपाय करने के भी निर्देश दिए, जिसमें केंद्रीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच अंतर–एजेंसी समन्वय को बढ़ाने, आतंकवाद–अपराधी के घरेलू गठजोड़ को तोड़ने के निर्देश दिए। गृह मंत्रालय ने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि पुलिस संगठनों द्वारा केवल स्वदेशी तकनीक का ही उपयोग किया जाए। सम्मेलन के दूसरे दिन नागरिक उड्डयन और बंदरगाह सुरक्षा, आतंकवाद–निरोध, वामपंथी उग्रवाद और मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के मुद्दे पर केंद्रित होगा। इस बैठक में भाग लेने वाले वरिष्ठ अधिकारियों में, केंद्रीय गृह सचिव, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों व केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख शामिल रहे। साल 2016 में डीजीएसपी और आईजीएसपी सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर साल राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों के अनुभव के माध्यम से और क्षेत्र विशेषज्ञों के सहयोग से प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का समाधान खोजना था। प्रधानमंत्री के निर्देशों के तहत साल 2021 से सम्मेलन हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जा रहा है।

बीएसएफ की कार्रवाई में दो संदिग्ध बांग्लादेशी तस्कर ढेर

अगरतला,एजेंसी। त्रिपुरा के दक्षिणी इलाके में भारत–बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) ने तस्करी की कोशिश नाकाम करते हुए दो संदिग्ध बांग्लादेशी तस्करों को गोली मार दी। यह घटना शुक्रवार तड़के अमजदनगर इलाके में हुई। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि जब तस्करी रोकने की कोशिश की गई, तब तस्कर आक्रामक हो गए, जिसके बाद आत्मरक्षा में गोली चलाई गई। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फायरिंग में तीन तस्कर घायल हो गए। इनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो घायल तस्करों को उनके साथी वापस बांग्लादेश ले गए। घायल तस्करों को परशुराम उपजिला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां एक और तस्कर की मौत हो गई। तीसरे का इलाज अब भी जारी है। त्रिपुरा पुलिस के सहायक पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) रणधीर देबबर्मा ने पुष्टि की कि इस मामले में दो भारतीय तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। इनसे पूछताछ कर तस्करी नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है।

भारत के वीर जवानों ने दुश्मनो के दुस्साहस को सदैव दिया मुंहतोड़ जवाब-मुख्यमंत्री

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत के वीर जवानों ने देश की आन–बान–शान के खिलाफ दुश्मनां के दुस्साहस को सदैव मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने अपना बलिदान देकर भारत की एकता और अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखा है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' तथा 'समर्थ व सशक्त भारत' बनाये जाने तथा 'आत्मनिर्भर व विकसित भारत' की संकल्पना को साकार करने के लिए हमें एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। कारगिल विजय दिवस हमें यही संदेश दे रहा है। जिन वीर सैनिकों ने देश को सुरक्षित रखने के लिए अपना बलिदान दिया है, उनकी प्रेरणा है कि हम एक रहें। मुख्यमंत्री कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में 'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय, मेजर रितेश शर्मा, लांस नायक केवलानन्द द्विवेदी तथा राइफलमैन सुनील जंग के परिजनों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने मातृभूमि की एकता और अखण्डता तथा देश की रक्षा के लिए अपना बलिदान देने वाले भारत माता के बहादुर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम नगर निगम लखनऊ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं। एक तरफ हम कारगिल युद्ध के योद्धाओं का स्मरण कर उनके परिजनों का सम्मान कर रहे हैं। दूसरी ओर लखनऊ नगर निगम ने भारत के स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि अचानक नहीं आयी है, इसके लिए परिश्रम किया गया है। कारगिल सामरिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण, चुनौतीपूर्ण क्षेत्र था। यह युद्ध पाकिस्तान द्वारा थोपा गया था। मई 1999 में स्थानीय चरवाहों ने कारगिल की पहाड़ियों पर घुसपैठ की सूचना भारतीय सेना को दी थी। इसके खिलाफ तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ऑपरेशन विजय को आगे बढ़ाया था। 26 जुलाई 1999 को कारगिल विजय की घोषणा हुई थी। युद्ध में पाकिस्तान की सेना ऊंचाई पर थी, भारतीय सैनिक नीचे थे। लेकिन भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के सामने पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये थे। उस समय पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने अमेरिका के माध्यम से भारत पर दबाव बनाने का प्रयास किया लेकिन अटल बिहारीवाजपेयी अमेरिका के दबाव के सामने नहीं झुके। अन्ततः पाकिस्तान को आत्मसमर्पण करना पड़ा। आज हम कारगिल विजय दिवस के रूप में पूरे उत्साह और उमंग के साथ भारत माता के उन महान सपूतों को नमन कर रहे हैं। जब भी देश की आन–बान– शान के लिए अपना बलिदान करने की आवश्यकता पड़ी है, तो हमारे जवानों ने पीछे मुड़कर नहीं देखा है। विजय का वरण वही कर सकता है, जो चुनौतियों से जुझेगा और उनका सामना करेगा। जो युद्ध नहीं लड़ेगा, चुनौती स्वीकार नहीं करेगा तथा पलायन का रास्ता अपनाएगा, वह कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता है। समाज में विद्वेष पैदा कर उसे बांटने वाले तत्व नहीं, बल्कि चुनौतियों से जुझते हुए अपना मार्ग प्रशस्त करने वाले लोग ही अपनी मंजिल प्राप्त करते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखण्डता सदैव बलिदान मांगती है।

एफटीए से लेकर कारगिल विजय तकः पीयूष गोयल बोले-

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक कद बढ़ रहा है

नई दिल्ली,एजेंसी। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कारगिल विजय दिवस, भारत–यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक लोकप्रियता जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह दिन भारत के लिए गौरव और आत्मबल का प्रतीक है, जब हमारे बहादुर जवानों ने दुश्मनों को करारा जवाब दिया था।

पीयूष गोयल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारत की उस वीरगाथा की याद दिलाता है, जब सेना ने दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़कर दुश्मनों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व को याद करते हुए कहा कि उस दौर में भारत ने अपनी जमीन की रक्षा के लिए कड़ा संदेश दिया था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी यही नीति जारी है, जो देश की एकता और अखंडता को चुनौती देगा, उसे सख्त जवाब मिलेगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीयूष गोयल ने बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हुआ है, जो अब तक का भारत का सबसे बड़ा और व्यापक समझौता है। इससे फार्मा, वस्त्र, रत्न–आभूषण, खाद्य प्रसंस्करण, एमएसएमई और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में निर्यात के नए अवसर खुलेंगे। यह समझौता भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धा देने में मदद करेगा।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से भारत को व्यापक आर्थिक लाभ मिलेगा। यह केवल व्यापारिक साझेदारी नहीं, बल्कि समृद्धि का साझा रोडमैप है। समझौते के तहत 95: भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को ब्रिटेन में ड्यूटी–फ्री पहुंच मिलेगी।

साथ ही, भारतीय डेयरी क्षेत्र को संरक्षण दिया गया है और उस पर पूर्व की तरह शुल्क जारी रहेगा, जिससे किसानों और पशुपालन को नुकसान नहीं पहुंचेगा। यूके संसद की मंजूरी के बाद यह समझौता प्रभावी होगा।

पुराने वाहनों पर लगे पूर्ण प्रतिबंध को चुनौती

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है जिसमें पुराने वाहनों पर लगाए गए पूर्ण प्रतिबंध को चुनौती दी गई है। सरकार ने अदालत से अपील की है कि 10 साल से पुराने डीजल और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाया जाए। ये प्रतिबंध नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्देशों पर आधारित हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट ने 29 अक्तूबर 2018 को सही ठहराया था। इस याचिका पर सुनवाई 28 जुलाई को होने की संभावना है।

चीफ जस्टिस भूषण आर. गवई की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। दिल्ली सरकार का कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए सिर्फ उम्र के आधार पर वाहनों को हटाना वैज्ञानिक तरीका नहीं है।

सेवानिवृत्ति के बाद परामर्श और मध्यस्थता करूंगा, चीफ जस्टिस ने बताई रिटायरमेंट के बाद की योजना

अमरावती,एजेंसी। भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि वह 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होने के बाद किसी भी सरकारी पद को स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने यह साफ किया कि रिटायरमेंट के बाद वह केवल परामर्श और मध्यस्थता का कार्य करेंगे। अमरावती जिला और सत्र न्यायालय में स्वर्गीय टीआर गिल्डा मेमोरियल ई–लाइब्रेरी के उद्घाटन कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही।

सीजेआई गवई ने कहा कि मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं कि रिटायरमेंट के बाद कोई भी सरकारी पद नहीं स्वीकार करूंगा। मैं परामर्श और मध्यस्थता के जरिए ही अपने अनुभव से जुड़ी सेवाएं देता रहूंगा। उन्होंने आगे यह भी कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता बनाए रखना आवश्यक है और वह इसके प्रति प्रतिबद्ध हैं। जस्टिस गवई 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। सेवानिवृत्ति से पहले उन्होंने अपने गृह जिले अमरावती में स्थित अपने गांव दरापुर में शुक्रवार को अपने पिता आरएस गवई की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इनके पिता केरल और बिहार के राज्यपाल रह चुके हैं और उन्हें 'दादासाहेब गवई' के नाम से जाना जाता था। सीजेआई गवई ने दरापुर गांव में 'दादासाहेब गवई प्रवेश द्वार' की आधारशिला भी रखी। यह प्रवेश द्वार गांव की मुख्य सड़क पर बनेगा, जिससे गांव में आने–जाने वालों को पूर्व राज्यपाल की स्मृति का अहसास रहेगा। कार्यक्रम में गवई के परिवार के सदस्य और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। ई–लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में सीजेआई ने कहा कि न्यायिक व्यवस्था में तकनीक का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है और न्यायालयों को समय के साथ तकनीकी संसाधनों को अपनाना चाहिए।

साहित्यकार डा.दुर्गाचरण मिश्र के 87वें जन्मदिन की वर्षगांठ का नितांत पारिवारिक भव्य समारोह

कानपुर। साहित्यिक संस्था साहित्य मंदाकिनी ने वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.दुर्गा चरण मिश्र के 87वें जन्मदिन की वर्षगांठ का पारिवारिक आयोजन कैलास होटल कृष्णविहार आवास विकास कल्याणपुर में गुरुवार, 24 जुलाई को बड़ी भव्यता के साथ आयोजित किया। प्रवीण मिश्र की सरस्वती वंदना से प्रारंभ कार्यक्रम का संचालन हास्य–व्यंग्य के कवि भाई श्रवण कुमार शुक्ल ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट वी.

बी. सिंह,नवगीतकार जयराम जय,व्यंग्यकार अशोक शास्त्री, शिक्षाविद् प्रेमचन्द्र अग्निहोत्री,राजनितिज्ञ निर्मल तिवारी,चर्चित कवयित्री श्रीमती वीना उदय, विज्ञान प्राध्यापक अमित कटियार व शिक्षक विनय द्विवेदी ने डॉ.दुर्गाचरण मिश्र के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार रखते हुए उन्हें सहृदय व्यक्तित्व का धनी तथा साहित्य का अनन्य भक्त बताते हुए उनके स्वस्थ दीर्घ जीवन की कामना की।जैसा कि विदित है डॉ. मिश्र कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं लेकिन चिर–परिचित मृदुल मुस्कान व उत्साह के साथ पूरे कार्यक्रम में रहे तथा सभी को आशिर्वाद प्रदान किया। साहित्य,कला,शिक्षा व राजनिति जुड़े नितांत पारिवारिक लोगों ने उपस्थित होकर समारोह में डॉ मिश्र को उनकी दीर्घकालीन साहित्यिक सामाजिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया । विशेषता यह रही कि नगर के साहित्यकार,पत्रकार,व समाज सेवियों ने उपस्थित होकर निहायत पारिवारिक कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। इस अवसर पर सर्वश्री उदय प्रताप सिंह,प्रसून अग्निहोत्री, राकेश मिश्रा,विनय मिश्रा,मनोज मिश्र ,शशी अग्निहोत्री, सत्येंद्र कुमार चंदेल, नवीन मिश्र, पार्थ शुक्ला आदि रहे। अंत में संयोजक प्रवीण मिश्र ने आगतों का आभार व्यक्त किया।

लोकपाल समाज शेखर फिर पहुँचे डीह बलई गाँव कुसहा ग्राम के तालाबो का किया भौतिक सत्यापन

तालाबों को खंड खंड बांटना नैसर्गिक अपराध- लोकपाल

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा प्रतापगढ़ समाज शेखर एक बार फिर अचानक बाबागंज ब्लाक के डीह बलई ग्राम पंचायत के राजस्व राजस्व ग्राम कुसहा के शिकायती प्राचीन तालाबों का स्थलीय निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन किया। वहीं प्राचीन तालाब को टुकड़े टुकड़े बाटने की शिकायत ग्राम वासी ने की । लोकपाल ने कहा की प्राचीन तालाब एक संपूर्ण प्राकृतिक संरचना है जिसे खंड खंड बाटना नैसर्गिक अपराध है जो जीवित प्राणियों के हक व अधिकार को प्रभावित करता है। इसे किसी भी दशा में बढ़ावा नही दिया जा सकता। यहाँ समाज व सरकार दोनों स्तर पर समग्र प्रयास की आवश्यकता है। लोकपाल समाज शेखर रिमझिम बरसात के बीच सीधे कुशहा ग्राम पहुँचे और शिकायत कर्ता कोमल मिश्र, दुर्गेश तिवारी , प्रेम चंद्र सरोज व ग्रामीणों के साथ तालाबो की दशा को देखा। लोकपाल ने जांच के तहत गत दिनों उक्त तालाबों की खुदाई की माप शिकायत कर्ता व ग्रामीणों तथा ग्राम पंचायत से अलग अलग कराई थी। दोनों माप के बीच कुछ अंतर होने पर लोकपाल ने ब्लाक को तकनीकी टीम उपलब्ध कराने के निर्देश के साथ स्वयम अचानक गाँव पहुँच गए। ब्लाक की टीम नही पहुची बरसात का बहाना सुनने को मिला तब लोकपाल ने अफसोस जाहिर करते हुए सुधरने की हिदायत दी। लोकपाल ने पाया की तालाब खुदाई में ग्राम पंचायत द्वारा व्यापक अनियमितता बरती गई है। 2022 का अमृत तालाब अभी भी अधूरा मिला जबकि इसका कार्यपूर्ण हो चुका है। इसके अलावा 5 अन्य तालाबों को देखा गया जो एक ही तालाब से अलग अलग खंड करके मेड बनाकर बांटे गए है। कही कही १ फिट से २ फिट की खुदाई हुई है। ग्रामीणों ने लोकपाल को बताया की आपके आगमन की सूचना पर प्रधान द्वारा यह कार्य रात में जे सी बी द्वारा कराया गया है । मजदूरों द्वारा बाद में थोड़ा बहुत सेट करा के खानापूर्ति की गई है। लोकपाल ने कहा की निश्चित रूप से इस ग्राम में तालाब के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ हुई है जिसे नजरंदाज नही किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी महोदय के संज्ञान में लाकर राजस्व विभाग, विकास विभाग व ग्राम सभा की प्रभावी भूमिका तय करके सभी तालाबों का अपेक्षित विकास कराया जायेगा और समुचित कार्यवाही तय होगी।

फर्जी हस्ताक्षर करने के मामले में हेल्थकेयर कंपनी के निदेशक दंपती गिरफ्तार

प्रयागराज। कैंट पुलिस, एसओजी और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने फर्जी हस्ताक्षर करने के मामले में आगरा की एक हेल्थकेयर कंपनी के निदेशक दंपती को गिरफ्तार किया है। आरोपी दंपती को गुरुग्राम के गोल्फ सिटी स्थित पारस हॉस्पिटल के पास से पकड़ा है। आरोपियों की पहचान गुरुग्राम के सेक्टर–54 निवासी संजीव गौड़ (63) और अराधना गौड़ (58) के रूप हुई है। इनके ऊपर कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। नोएडा निवासी अनुपम घोष (मेसर्स अनडिता हेल्थकेयर कंपनी के मालिक) ने कैंट थाना पुलिस को बताया था कि उनका कार्यालय नोएडा के सेक्टर–आठ में स्थित है।

कंपनी का मुख्य व्यवसाय सर्जिकल दस्ताने समेत कई सामानों को बनाकर बेचना है। नोएडा में आगरा की एक हेल्थकेयर कंपनी कारखाना पता (विस्तार धौलपुर, राजस्थान) के निदेशक संजीव गौड़ व अराधना गौड़ के खिलाफ एक निषेधाज्ञा का मामला हाईकोर्ट में दायर किया था। उनके पक्ष में हाईकोर्ट ने आदेश दिया। आरोप लगाया कि इसके बाद दंपती ने उनके कर्मचारियों और उनपर तीन अलग–अलग एफआईआर राजस्थान के धौलपुर में दर्ज कराई। पुलिस जांच में आरोप झूठा पाया गया। उनका आरोप है कि आरोपी दंपती ने धोखाधड़ी, जालसाजी, कूट रचित दस्तावेज तैयार कर धारा–227 के तहत अपने कर्मचारी द्वारा मेरा फर्जी हस्ताक्षर कर पांच अप्रैल 2024 को हाईकोर्ट में अपील की। जिसकी शिकायत पीड़ित ने कैंट थाने में की।

वाराणसी मैसूर एक्सप्रेस के एस थ्री कोच में यात्रा कर रही कर्नाटक की महिला यात्रा से छिनैती

प्रयागराज। वाराणसी मैसूर एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 22688 की एस थ्री कोच में सफर कर रही कर्नाटक की महिला से बृहस्पतिवार आधी रात छिवकी स्टेशन के आगे लिंक जंक्शन पर चेन छिनैती हो गई।

महिला यात्रियों के दल के साथ काशी, अयोध्या, प्रयागराज का भ्रमण कर वापस कर्नाटक लौट रही थी। टिकट के पीछे लिखे टोल नंबर पर शिकायत करने पर कोई रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद पीड़ित के साथ चले रहे लोगों ने मामले में ऑन लाइन एफआईआर दर्ज कराई।

बता दे कि कर्नाटक के आसन जिले से 25 यात्रियों को दल बीते 17 जुलाई को काशी, अयोध्या और प्रयागराज के भ्रमण में निकला था। बृहस्पतिवार को यह दल वापस लौट रहा था। उन्होंने वाराणसी से वाराणसी मैसूर एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 22688 से वापस आ रहे थे। इसमें तीन कोच में सभी के अलग–अलग बर्थ कंफर्म थी। बृहस्पतिवार रात करीब बारह बजे ट्रेन छिवकी स्टेशन पहुंची। यहां से ट्रेन मानिकपुर की ओर रवाना हो गई।

स्टेशन डाक कर ट्रेन लिंक जंक्शन पर पहुंची थी, यहां पर कुछ देर के लिए ट्रेन रूकी तो तीन युवक कोच में चढ़ गई। जैसे ही ट्रेन चली बर्ड पर आराम कर रही गिरजा देवी पत्नी ईरप्पा के गले में मौजूद 31 ग्राम का मंगलसूत्र युवक झपट्टा मारते हुए चलती ट्रेन से कूद गए।

महिला ने शोर मचाया तो साथ यात्रा कर रहे लोग वहां पहुंचे और फिर उन्होंने ट्रोल फ्री नंबर 139 में फोन किया, लेकिन कोई रिसपांस न मिलने पर 182 पर इसकी शिकायत की, लेकिन इसमें भी कोई रिस्पांस नहीं मिला।

इसके बाद उनके साथ यात्रा कर रहे डॉ. जयराज, सत्यमा, प्रकाश, सुजाना, नागरत्ना ने दूसरे कोच में मौजूद साथियों को इसकी जानकारी दी और कोच में मौजूद टिकट कलेक्टर को इसके बारे में बताया। टिकट कलेक्शन ने टोल फ्री नंबर पर ही शिकायत करने की बात कही।

काफी देर परेशान होने के बाद साथ यात्रा कर एक साथी ने मामले में ऑनलाइन एफआईआर की। पीड़ित ने फोन पर हुई बातचीत में बताया कि रात को ट्रेन के ठहरने पर रिजर्वेशन कोच में युवक चढ़ गए, लेकिन किसी स्कॉट ने उन्हें मना नहीं किया। साथ ही ट्रेन चलने पर वह आसानी से चेन लेकर फरार हो गए। पीड़िता ने बताया कि ऑन लाइन एफआईआर दर्ज हो गया है, लेकिन अभी तक उनसे किसी ने संपर्क नहीं किया। मामले में जीआरपी नैनी प्रभारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ऐसी किसी घटना की जानकारी उन्हें अभी नहीं है। वह साक्ष्य में बनारस गए थे। अभी लौटे है, पता करते है।

ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं..

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित एवं भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद् द्वारा प्रायोजित कुम्भ संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में वेदान्त की उपादेयता विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती माँ की प्रतिमा एवं आदि शङ्कराचार्य एवं प्रो राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) के छायाचित्र पर पुष्पार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्री ओंकार मिश्र के नेतृत्त्व में श्रीदत्तात्रेय वेद पाठशाला के वैदिक वटुकों द्वारा सस्वर वैदिक मंगलाचरण किया गया। संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी के स्वागत भाषण के उपरान्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि कुम्भ हमें सभी की सहायता करने के लिए प्रेरित करता है। कुम्भ 2025 में हम सबने अनेक प्रकार से जनसेवा की है। विश्वविद्यालय परिवार निरन्तर कुम्भ संस्कृति को जीवन्त करने के लिए कार्य करते रहता है। हमें राष्ट्र की सेवा करते रहना चाहिए। इस संगोष्ठी हेतु सबको बहुत–बहुत शुभकामनाएँ। संस्कृत विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा कि हमारे शास्त्र मानवता की सेवा करने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें निरन्तर मानवता की सेवा करते रहना चाहिए। यदि हम किसी को दुर्भावना के कारण पीड़ा पहुँचाते हैं तो कितना भी शास्त्र का अध्ययन कर लें, उससे कोई लाभ नहीं है। अतः शास्त्र का निहितार्थ यह है कि हमें कर्म का अनुपालन करना चाहिए। प्रो. राजकुमार गुप्त, मुख्य कुलानुशासक ने कहा कि हमें वेदान्त दर्शन का अनुपालन करना चाहिए। ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या जीवो ब्रह्मैव नापरः अर्थात् ब्रह्म ही सत्य है, जीव और कुछ नही ब्रह्म ही है। सृष्टि की सर्वोच्च सत्ता के रूप में ब्रह्म का ब्रह्मत्व है। हम सब एक हैं। यही तो अद्वैत है। द्वैत से अद्वैत की यात्रा करना ही हमारा निहितार्थ है। अथर्ववेद में चतुर्विध कुम्भ का वर्णन है। कुम्भ की ऐतिहासिक परम्परा रही है। हर्षवर्धन के समय में 75 दिनों तक कुम्भ का आयोजन हुआ था। आदि शङ्कराचार्य दो बार प्रयाग आए थे। आदि शङ्कराचार्य ने कुम्भ को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया। १३ अखाड़ों मे से ७ अखाड़े अद्वैत से जुड़े हुए है। कुम्भ और वेदान्त का वैश्विक प्रभाव है। विश्व में इतनी बड़ी संख्या में जनसमुदाय का एकत्रित होना आश्चर्य की बात है। ऐसी संगोष्ठी का आयोजन होते रहना चाहिए क्योंकि कुम्भ संस्कृति के वैश्विक महत्त्व को सर्वदा रेखाङ्कित किया जाना चाहिए। उक्त बातें प्रो. राम नाथ झा, आचार्य, संस्कृत एवं प्राच्यविद्याध्ययन संस्थान, जे एन यू नई दिल्ली ने कही।

अनेक पुराणों में कुम्भ का वर्णन है। जितने सम्प्रदाय हैं, उन्होंने कुम्भ की महिमा गाई है। यह ज्ञान संगम के रूप में जाना जाता है। गंगा,यमुना और सरस्वती नदियों के पावन संगम के कारण तो यह संगम कहा ही जाता है, अपनी आध्यात्मिकता के कारण यह अध्यात्म एवं ज्ञान संगम का पर्याय है। उक्त बातें प्रो. रामसेवक दूबे, कुलपति, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान ने कहीं।

स्नान करना स्वयं में पुण्यकर्म है। हमें जीवन में भी मलरहित रहना है। अतः हमें निरन्तर भौतिक स्नान के साथ ही ज्ञानस्नान भी करते रहना चाहिए। प्रयागराज में अमृत का प्राकट्य प्रत्येक 12 वर्षों बाद होता है। अतः यह ऋषियों का विधान है। व्यष्टि धर्म सन्ध्या वन्दनादि है। समष्टि धर्म कुम्भ स्नानादि है। समष्टि धर्म का पालन नहीं करने से व्यष्टि का विनाश हो जाता है। अतः समष्टि धर्म का पालन करना चाहिए। आज भी कई लोग हिन्दू कहने में भी संकोच करते हैं, जबकि वे हिन्दू हैं। हमने यदि समष्टि धर्म का पालन नहीं किया तो हमारा नाश हो सकता है। मृत्यु का भाव जिसके अन्दर है, वही मृत्यु है और जिसके अन्दर मृत्यु का भाव नहीं है, वह अमृत है। इसी अमृत की इच्छा में जनसमुदाय कुम्भ में स्नान करने आता है। उक्त बातें प्रो. करूणानन्द मुखोपाध्याय, आचार्यचर, संस्कृत विभाग, कला संकाय, बी.एच.यू., वाराणसी ने कही। रायबरेली के वेदांत चिन्तक एवं वरिष्ठ साहित्यकार पंडित देवी प्रसाद मिश्र वेदान्ती ने अपने उद्बोधन में कहा कि गंगा सतोगुण, यमुना तमोगुण और सरस्वती रजोगुण का प्रतीक हैं। ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः अर्थात् ज्ञान के द्वारा मुक्ति होती है, कर्म के द्वारा नहीं। ब्रह्म का कभी विनाश नहीं होता है, यह अक्षय है और प्रयागराज में अक्षयवट का प्रतीक भी है। उद्घाटन सत्र का संचालन संस्कृत विभाग के प्रवक्ता डॉ. पीयूष मिश्र ने किया जबकि डॉ. प्रिया झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में पाँच सत्रों का आयोजन किया गया।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता

डॉ. ठाकुर शिवलोचन शाण्डिल्य, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने की। इस सत्र में डॉ. युवराज सिंह, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. प्रिया झा, डॉ. सोनमती पटेल एवं डॉ. मणिशङ्कर द्विवेदी ने अपने शोधपत्रों का वाचन किया। इस सत्र का सञ्चालन श्री पवन मिश्र शोध छात्र, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, ने किया।

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. घनश्याम मिश्र, सहायक आचार्य, सर्वदर्शन विभाग, रणवीर परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर ने की। इस सत्र में डॉ. यीशनारायण द्विवेदी, डॉ. रसराज अवनेन्द्र पाण्डेय, डॉ. दीक्षा शुक्ला, डॉ. पीयूष मिश्र ने गंभीर शोधपत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. प्रिया झा, अतिथि प्रवक्ता, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय ने किया।

तृतीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. प्रचेतस, सहायक आचार्य, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। इस सत्र में सुश्री राजेश्वरी यादव, श्री अनन्तजी मिश्र, सुश्री दीक्षा पाण्डेय, श्री कपिल शुक्ल, सुश्री विद्या तिवारी ने स्वकीय शोधपत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम का सञ्चालन श्री नितिन त्रिपाठी, शोध छात्र, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय ने किया।

चतुर्थ सत्र की अध्यक्षता डॉ. बबलू पाल, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी ने की। इस सत्र में श्री आशुतोष कुमार सिंह, श्रीमती जूली मिश्रा, श्री गोपाल कृष्ण मिश्र, श्री पवन कुमार मिश्र, श्री राहुल सिंह ने स्वकीय शोधपत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम का सञ्चालन सुश्री शिखा श्रीवास्तव, शोध छात्रा, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय ने किया।

पञ्चम सत्र की अध्यक्षता डॉ. महविश अंजुम, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। इस सत्र में सुश्री शिखा श्रीवास्तव, श्री नितिन त्रिपाठी, श्री मुकेश कुमार सिंह, श्री सन्दीप दूबे, श्री शिवम मिश्र ने स्वकीय शोधपत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम का सञ्चालन श्री अनन्तजी मिश्र, शोध छात्र, संस्कृत विभाग, प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय ने किया।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग ने किया। कार्यक्रम में डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. कविता गौतम, डॉ. प्रदीप कुमार त्रिपाठी, डॉ. प्रियंका सक्सेना, डॉ. गीताञ्जली श्रीवास्तव, डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय, डॉ. मनीष यादव, डॉ. महरूख, डॉ. दीक्षा शुक्ला, डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. प्रशान्त सिंह, डॉ. अवनीश यादव, डॉ. ललित कुमार सनौदिया, सुश्री भावना कुमारी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. लवकुश पाण्डेय, डॉ. सच्चिदानंद मिश्र, डॉ.अवनेन्द्र पाण्डेय रसराज, डॉ. अखिलेश सिंह ,डॉ. रमाशंकर सिंह, डॉ. कमलाकर सिंह, सुश्री शिखा श्रीवास्तव, श्री नितिन त्रिपाठी, श्री अनन्त जी मिश्र, सुश्री दामिनी, सुश्री जूही दास के साथ कई विश्वविद्यालय के शताधिक शोधार्थी, विद्यार्थी एवं आगन्तुक जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन में प्रमाणपत्र का वितरण किया गया। राष्ट्रगान के पश्चात् कार्यक्रम का समापन हुआ।

बंदर के डर से कर्जन पुल से गिरी छात्रा, गई जान

प्रयागराज। फाफामऊ के शांतिपुरम निवासी किशोरी सानिया (15) की कर्जन पुल से गिरकर मौत हो गई। वह सातवीं कक्षा की छात्रा थी। वह अपनी दो सहेलियों के साथ घूमने आई थी। अचानक एक बंदर आ गया जिससे छात्रा घबरा गई और संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गई। हादसे के बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। शिवकुटी पुलिस ने बताया कि परिजनों की तहरीर और सहेलियों के बयान से यह स्पष्ट हुआ है कि छात्र बंदर को देखकर घबरा गई थी।

कार–डंपर की टक्कर के बाद विवाद, मारपीट–तोड़फोड़

प्रयागराज। कर्नलगंज में इंडियन प्रेस चौराहे के पास शुक्रवार की रात कार और डंपर की टक्कर के बाद विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ी कि मारपीट और पथराव तक की नौबत आ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। मौके पर फायरिंग की भी चर्चा रही लेकिन पुलिस ने इससे इन्कार किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार रात 11.30 बजे के करीब एक कार इंडियन प्रेस चौराहे की ओर जा रही थी। तभी उसी दिशा से आ रहे एक डंपर से

उसकी टक्कर हो गई। हादसे के बाद कार सवार युवकों ने डंपर को रोक लिया जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। इसी बीच कार में सवार एक युवक ने पास ही स्थित मुस्लिम बोर्डिंग हॉस्टल से अपने परिचित युवकों को मौके पर बुला लिया। फिर डंपर चालक की पिटाई कर दी। यह देख हॉस्टल के अन्य छात्र आक्रोशित हो गए और उन्होंने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। इसी दौरान किसी ने कार के सामने का शीशा तोड़ते हुए पथराव कर दिया। मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। हालात को बिगड़ता देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। कर्नलगंज थाने की टीम मौके पर पहुंची और समझा–बुझाकर दोनों पक्षों को शांत कराया। घटना को लेकर डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने बताया कि देर रात तक इस मामले में किसी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

मॉडल शॉप में शराब के पैसे को लेकर दो युवकों की बेरहमी से पिटाई

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित सुभाष चौराहे के पास मॉडल शॉप में शुक्रवार को शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद में दो युवकों को दौड़ा–दौड़ाकर पीटा गया। आरोप वेटरों पर है। मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मुंडेरा निवासी दो युवक दोपहर करीब दो बजे मॉडल शॉप में शराब पीने पहुंचे थे। इसी दौरान बिल के भुगतान को लेकर उनका वहां के स्टाफ से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। आरोप है कि शॉप के कर्मचारियों ने दोनों युवकों को दौड़ा–दौड़ाकर पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान एक युवक अंदर की ओर भागा तो उसे बंधक बना लिया गया। उधर, दूसरा युवक बाहर की ओर भागा जहां उसे सड़क पर गिराकर बेरहमी से पिटाई की गई। हमलावरों ने उसे अधमरा कर दिया और मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही सिविल लाइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। इंस्पेक्टर सिविल लाइंस रामाश्रय यादव ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है। मौके से चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सीएवी ने 3–0 से जीता खिताबी मुकाबला

प्रयागराज। एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज मैदान पर शुक्रवार को नगर उत्तर संभाग विद्यालयीय फुटबॉल प्रतियोगिता हुई। इसमें एंग्लो बंगाली, सीएवी और वीकर पब्लिक जूनियर हाईस्कूल ने अपने–अपने वर्गों में जीत हासिल की। अंडर–14 का पहला मैच वीकर और सीएवी के बीच खेला गया। जिसे वीकर ने 3–0 से जीत लिया। दूसरा मैच ईश्वर शरण और एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज के बीच खेला गया। ईश्वर शरण ने 2–0 से मैच जीत

लिया। अंडर–17 का पहला मैच सीएवी इंटर कॉलेज और एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज के बीच खेल गया, जिसमें सीएवी इंटर कॉलेज ने 1–0 से जीत हासिल की। दूसरा मैच ईश्वर शरण और भारत स्काउट के मध्य खेल गया। जिसे भारत स्काउट ने 2–0 से जीत लिया। फाइनल मैच सीएवी इंटर कॉलेज और भारत स्काउट के बीच हुआ। जिसमें सीएवी इंटर कॉलेज ने 3–0 से जीत हासिल की। अंडर–19 वर्ग में पहला मैच राजकीय इंटर कॉलेज और केपी इंटर कॉलेज के बीच खेल गया, जिसमें केपी इंटर कॉलेज ने 3–2 से जीत हासिल की। वहीं, फाइनल में पहुंची केपी इंटर कॉलेज और एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज के बीच मैच खेला गया। खिताबी मुकाबले को एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज ने 3–0 से जीत लिया। एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य स्वस्तिक बोस ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन रवींद्र मिश्रा ने किया। इस अवसर पर वेदराज पाल, जितेंद्र कुमार, पीसी यादव, उमेश खरे, सरोज योगी, रवि शंकर, आशुतोष श्रीवास्तव और प्रथम निषाद उपस्थित रहे।

सेंध लगा बदमाशों ने खंगाला महिला का घर

प्रयागराज। सूने पड़े मकान के पीछे की दीवार में सेंध लगाकर अंदर घुसे बदमाशों ने नकदी समेत लाखों रुपये के सोने चांदी के जेवरात उठा ले गए। सूचना पर फूलपुर पुलिस पहुंची और मौका मुआयना कर वापस लौट आई। भुक्तभोगी महिला ने कोतवाली में तहरीर देकर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फूलपुर कोतवाली अन्तर्गत अमिलिया गांव निवासी इजहार खान मुंबई में रहकर कमाई करते हैं। घर पर उनकी पत्नी अकेले रहती हैं। पिछले दो दिनों से वह अपने मायके गई हुई थी।

ऊर्जा मंत्री के बयान से नाराज बुढ़ाना बनिया वैश्य समाज ने एस डी एम को दिया ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। नगर पंचायत बुढ़ाना जनपद मुजफ्फरनगर में बनिया वैशय समाज के लोगों ने उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए .के शर्मा के विरुद्ध उप जिला अधिकारी महोदय बुढ़ाना को एक ज्ञापन दिया है। आज बुढ़ाना के बनिया वैशय समाज के गणमान्य लोग तहसील बुढाना के प्रांगण में पहुंचे। वहां सभा करते हुए ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा के विरुद्ध नारेबाजी की तथा मंत्री की निंदा करते हुए सैकड़ो समाज में महाराजा अग्रसेन समिति क कार्यकर्ताओं ने एस डी एम बुढ़ाना को ज्ञापन दिया ज्ञापन देने वालों में मनीष मित्तल ,योगेश मित्तल ने बताया कि अधिकारियों की मीटिंग के दौरान ऊर्जा मंत्री ए .के शर्मा ने अधिकारियों के सामने वैश्य समाज को बनिए की दुकान कहा समस्त समाज के लोगों ने ऊर्जा मंत्री के इस्तीफा की मांग की तथा कहां की ऊर्जा मंत्री को माफी मांगनी होगी अन्यथा बड़ा आंदोलन किया जाएगा । ज्ञापन देने वालों में सुशील तायल अमरीश बंसल योगेश मित्तल मनीष मित्तल शिवराज गर्ग नीरज गर्ग रजनीश मित्तल नितिन गोयल अनूप गर्ग पंकज गोयल विपुल संगल शरद गोयल, राकेश मित्तल प्रवीण संगल , अवनीश मित्तल, तुषार कंसल श अर्चित सिंगल गौरव अग्रवाल ,अंजेश गर्ग , हर्षित मित्तल अंशुल संगल ,अरविंद संगल महेश जैन , विनय गोयल विपुल जैन , अंकित गर्ग ओमप्रकाश सांवरिया वाले ,तथा प्रवेश जैन शुभम जैन आदि रहे।

डीएम एवं एसपी ने थाना कोतवाली नगर में की जनसुनवाई एवं थाना कोतवाली का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना कोतवाली नगर में पहुॅचकर फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर यथाशीघ्र शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने

निर्देशित किया कि भूमि सम्बन्धी विवादों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के शिकायकर्ता की उपस्थिति शिकायतों का निस्तारण करायें। उन्होने कहा कि थानों में जो भी फरियादी आये उनकी शिकायतों को गम्भीरता से सुने। इसके उपरांत डीएम एवं एसपी ने थाना कोतवाली नगर का निरीक्षण किया जिसमें कार्यालय की साफ–सफाई, अभिलेखों के रख–रखाव, थाना परिसर की व्यवस्था, मालखाना, बंदी गृह, महिला हेल्प डेस्क एवं सीसीटीएनएस कार्य प्रणाली आदि का अवलोकन कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर नैन्सी सिंह, सीओ सिटी शिव नारायन वैश उपस्थित रहे।

एसडीएम बुढाना मोनालिसा जौहरी ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

मुज़फ्फरनगर। यूपीपीएससी समीक्षा/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा दिनांक 27.07.2025 को हो रही है। उक्त परीक्षा को पारदर्शी, निष्पक्ष, नकल विहीन, सकुशल तथा शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस–प्रशासन प्रतिबद्ध है

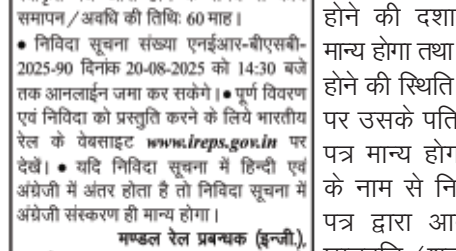

तथा सुरक्षा के दृष्टिगत कडें प्रबंध किए गए हैं। आज दिनांक 26.07.2025 को एसडीएम बुढाना मोनालिसा जौहरी द्वारा परीक्षा केन्द्र जैन कन्या पाठशाला स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुज़फ्फरनगर का निरीक्षण किया गया । इस दौरान एसडीएम द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए सीसीटीवी कैमरों, जैमर, बायोमैट्रिक स्कैनर, मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा केन्द्र पर शौचालय, पेयजल, अभ्यर्थियों के मोबाइल, बैग इत्यादि जमा करने की व्यवस्था को चेक किया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये।

छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत माता/पिता/संरक्षक का ही आय प्रमाण पत्र होगा मान्य: नागेन्द्र कुमार मौर्य

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने बताया है कि सामान्य वर्ग/अनुसूचित जाति दशमोत्तर/पूर्वदशम् छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत अध्ययनरत उ0प्र0 के मूल निवासी छात्र/छात्राओं हेतु शैक्षणिक भत्ता एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना से लाभान्वित होने हेतु शासन द्वारा आवेदन करने हेतु नियमावली में दी गयी व्यवस्था के अनुसार छात्रवृत्ति आवेदन में लगने वाला आय प्रमाण पत्र छात्र/छात्रा के पिता का एवं पिता के न होने की स्थिति में माता का तथा माता/पिता दोनों के जीवित न होने की दशा में संरक्षक का मान्य होगा तथा छात्रा के विवाहित होने की स्थिति में पिता के स्थान पर उसके पति का आय प्रमाण पत्र मान्य होगा। छात्र/छात्रा के नाम से निर्गत आय प्रमाण पत्र द्वारा आवेदन करने पर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति देय नहीं होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली निविदा" आमंत्रित करते हैं– **क्रम सं.-1,** कार्य का नाम: सिसेइ/पी.वे./पश्चिम/सीवान कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत ट्रैक आधारित गेज फेस रेल लूब्रिकेटर की आपूर्ति स्थापना कमीशनिंग और प्रचलन (5 वर्ष के लिये) का कार्य (17 अवद), ई–निविदा सूचना सं:एनईआर–बीएसबी–2025–90, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 2,26,44,000/-, अमानत राशि (बिड सिक्यूरिटी) (रू०में): ₹ 2,63,200/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 20-08-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 60 माह।

• निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-90 दिनांक 20-08-2025 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि/डब्लू-176 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

जनपद में आरओ/एआरओ की परीक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट

डीएम एवं एसपी ने परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण, सुविधाओं की जांची व्यवस्था

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने जनपद में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा दिनांक 27 जुलाई को आयोजित होने वाली समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) (आरओ/एआरओ) की परीक्षा को सकुशल, शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों द्वारा परीक्षा केन्द्र आत्रेय एकेडमी, बीएसएस एकेडमी व न्यू एन्जिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल का निरीक्षण कर केन्द्र व्यवस्थापकों व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय और प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाओं की जानकारी की, साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। डीएम ने निर्देशित किया कि कोई भी प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा केंद्र में न जाने पाए। उन्होने निर्देशित किया कि कोई भी कक्ष निरीक्षक परीक्षा के दौरान मोबाइल लेकर कक्ष में प्रवेश नहीं करेगें। मोबाइल फोन का इस्तेमाल केन्द्र व्यवस्थापक एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट यदि आवश्यकता पड़ती है तो परीक्षा कक्ष के बाहर इस्तेमाल कर सकेगें। परीक्षा कक्ष में किसी भी परिस्थिति में मोबाइल फोन का

उपयोग नहीं किया जायेगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में होने चाहिए। सभी कर्मचारी अपनी आईडी के साथ उपस्थित रहें। परीक्षा में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाये रखने हेतु हर स्तर पर सतर्कता बरती जाये। नकलविहीन परीक्षा हेतु अभ्यर्थियों की कड़ाई से चेकिंग की जाये एवं किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जाये। पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने अवांछनीय तत्वों पर नजर रखने और यातायात को व्यवस्थित बनाए रखने के लिए पुलिस बल को आवश्यक निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा उपस्थित रहे।

इसी प्रकार अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आदित्य प्रजापति एवं सह जिला विद्यालय निरीक्षक आरपी सरोज द्वारा परीक्षा केन्द्र कालूराम इण्टर कालेज शीतलागंज, स्नातकोत्तर महाविद्यालय पट्टी, रानी राजेश्वरी कुमारी इण्टर कालेज दिलीपपुर, डाल्फिन पब्लिक स्कूल छीटपुर, राजकीय बालिका इण्टर कालेज व लोकमान्य तिलक इण्टर कालेज का स्थलीय निरीक्षण कर केन्द्र व्यवस्थापकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

जनपद में 23 परीक्षा केन्द्रों पर आरओ/एआरओ की परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसमें कुल 10632 परीक्षार्थी सम्मिलित होगें। परीक्षा पूर्वान्ह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक होगी। परीक्षा के सफल संचालन के लिये 23 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 23 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 23 केन्द्र व्यवस्थापक और 23 सह केन्द्र व्यवथापक नियुक्त किये गये है। आरओ/एआरओ परीक्षा की शुचिता एवं सुरक्षा शासन की शीर्ष प्राथमिकता है जिसके लिये प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है।

वैश्य समाज के विरुद्ध अमर्यादित भाषा प्रयोग करने पर संयुक्त वैश्य मोर्चा ने दिया राज्यपाल को ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। संयुक्त वैश्य मोर्चा उत्तर प्रदेश के के पदाधिकारियों ने ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा द्वारा वैश्य समाज के विषय मै अपनी मीटिंग मै अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करते हुए मीटिंग को सम्बोधित किया है जिसका संयुक्त वैश्य मोर्चा मुज़फ्फरनगर पुरजोर विरोध ओर भर्त्सना करता है।

इसी परिपेक्ष मै संयुक्त वैश्य मोर्चा ने ज्ञापन देकर ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की ओर आशा की कि वे अपने शब्दों को वापिस लेकर वैश्य समाज से माफ़ी मांगे उनके द्वारा जो वैश्य समाज के लिए ये कहा गया है कि ये बनिए की दुकान नही जो पैसे लेकर भी माल नही देती है अत्यंत दुःखद है संयुक्त वैश्य मोर्चा मंत्री से अनुरोध करता है की यदि उनसे पैसे लेकर किसी वैश्य समाज के व्यक्ती ने उन्हे माल नही दिया है तो हमें बताये हम उनका एक एक पैसा वापिस दिलवाने का कार्य करेंगे वैश्य समाज हमेशा भाई चारे ओर सौहार्द पर विश्वास रखता है सबसे ज्यादा धार्मिक कार्य दान धर्म वैश्य समाज के द्वारा हि किया जाता है सरकार को चलाने मै सहायक घटक सबसे ज्यादा टैक्स भी वैश्य समाज ही देता है वैश्य समाज को इस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर अपमानित करना कतई बर्दाश्त नही किया जायेगा,अगर माननीय मंत्री जी द्वारा 7 दिन के अंदर अपने बोले शब्दों पर खेद व्यक्त नही किया जाता तो वैश्य समाज एक बड़ा आंदोलन करेगा जिसके जिम्मेदार व्यक्तिगत रूप से मंत्री जी होंगे!

अतरू आपसे अनुरोध है कि मंत्री ए के शर्मा के दिये गये ब्यान पर उनके विरुद्ध अनुशास्तमक रूप से संवैधानिक कार्यवाही करने की कृपा करे जिससे वैश्य समाज संतुष्ट हो सके।

मोर्चे का संचालन कृष्ण गोपाल मित्तल,शलभ गुप्ता एडवोकेट,सुनील तायल के द्वारा किया गया!

मुख्य रूप से संयुक्य वैश्य मोर्चा के अध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल,संस्थापक एवं मुख्य संयोजक शलभ गुप्ता एडवोकेट,मुख्य संयोजक सुनील तायल,संयोजक,सत्यप्रकाश् मित्तल वैश्य स्मारक ट्रस्ट अध्यक्ष कांति राठी महेश्वरी सभा,राजेंदर प्रसाद गर्ग राजवंश सभा,रोहिताश करनवाल एडवोकेट करनवाल सभा,मयंक बंसल श्री कदिमी सभा,सुरेंदर अग्रवाल अग्रवाल महासम्मेलन,पवन सिंघल वैश्य कुटुंब,श्रवण अग्रवाल वैश्य अग्रवाल महासभा,जनार्दन स्वरूप गर्ग वैश्य सभा जनपद मुज़फ्फरनगर,सचिन अग्रवाल अंतराष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन,मनोज खंडेलवाल,दीपक मित्तल सर्राफ,अमित गुप्ता एडवोकेट,हिमांशु गोयल,विपिन गुप्ता,आर के गोयल,तरुण मित्तल,शिव कुमार सिंघल,आकाश अग्रवाल,विनय अग्रवाल,कपिल एडवोकेट,पंकज राजवंशी,सौरभ मित्तल,मनोज गुप्ता, अभिलाष मित्तल एडवोकेट,अंकुर गोयल,नरेंदर बघरा,सतप्रकाश,अमित गुप्ता,सुरेंदर मित्तल वैश्य जागृति मंच,अमन बंसल आदि सेकड़ो वैश्य बंधु मौजूद रहे!

नागपंचमी पर 29 को भयहरण नाथ धाम में घुघुरी लोक उत्सव से जीवंत होगी लोक परम्परा

मंगलवार मेला के नाते 2 घंटे लेट होगा घुघुरी लोक उत्सव का आयोजन
2 किमी तेज दौड़ प्रतियोगिता, गुड़िया गुड्डा व फुल झड़ी प्रतियोगिता का होगा आयोजन
लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कवि सम्मेलन का होगा भव्य आयोजन
एसपी प्रतापगढ़ सहित ३ विशिष्ट व्यक्तियों को मिलेगा प्रतापगढ़ गौरव सम्मान

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में प्रति वर्ष की भाँति घुघुरी लोक उत्सव का भव्य आयोजन धाम की प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान की देखरेख में होगा। जिला सूचना कार्यालय व नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के सहयोग व भागीदारी से आयोजित इस घुघुरी उत्सव को मंगलवार मेला के दृष्टिगत 29 जुलाई नागपंचमी को अपराह्न 2 बजे के बजाय शाम 4 बजे से सामूहिक पूजन से शुरू होंगे।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया की घुघुरी लोक उत्सव में विविध लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। आल्हा, कजरी, सावनी गीत के आयोजन होंगे। 2 किमी तेज दौड़ प्रतियोगिता, गुड्डा गुड़िया व फूल झड़ी प्रतियोगिता के आयोजन होंगे और प्रशस्ति पत्र व पुरष्कार देकर सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर प्रसिद्ध लोक गायिक प्रतिमा मिश्रा व लोक गायक डी के तिवारी का लोक गायन होगा। साहित्य भूषण सम्मान से बिभूषित जन कवि प्रकाश की 54 वी कृत इमरजेंसी को धाम को समर्पित किया जायेगा। इस अवसर पर विराट

कवि सम्मेलन का आयोजन होगा जिसमे ठाकुर इलाहाबादी, नजर पांडेय, डॉ निलिमा मिश्रा, निर्झर प्रतापगढी, शिवम भगवती, प्रशांत भरुहिया, डॉ अशोक अग्रहरि, रेनू मिश्रा, अमर नाथ बेजोड़, प्रभात पांडेय, आलोक बैरागी, राज कुमार विश्वकर्मा , आभा मिश्रा, सौरभ सिंह, राहुल यादव आदि प्रतिभाग करेंगे। समाज शेखर ने बताया की प्रति वर्ष की भाँति उत्कृष्ट कार्य हेतु पूर्व एम एल सी व बीजेपी प्रयागराज की अध्यक्ष निर्मला पासवान सहित 5 महिलाओ को गुड़िया सम्मान दिया जायेगा। क्षेत्र व समाज में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को महान क्रांतिकारी बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान से बिभूषित किया जायेगा। उन्होंने बताया की प्रति वर्ष की भाँति प्रतापगढ़ गौरव आयोजन समिति द्वारा पूर्व जिलाधिकारी आर एस वर्मा की अध्यक्षता में जनपद के विकास में अपना अमूल्य योगदान देने वाले जनपद के लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार सहित पूर्व आई ए एस श्री अनुराग पटेल व आई पी एस श्री राम प्रताप सिंह को प्रतापगढ़ गौरव सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। इस अवसर पर वन विभाग व लोक भारती प्रतापगढ़ के सहयोग से पौध रोपण भी होगा। स्थानीय आयोजन की प्रमुख जिम्मेदारी नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव के मार्गदर्शन में अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह के संयोजन में कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व नगर पंचायत प्रतिनिधि मुकेश सिंह की देखरेख में प्रबन्ध समिति व मंदिर मेला समितियाँ अपनी जिम्मेदारी निभा रही है।

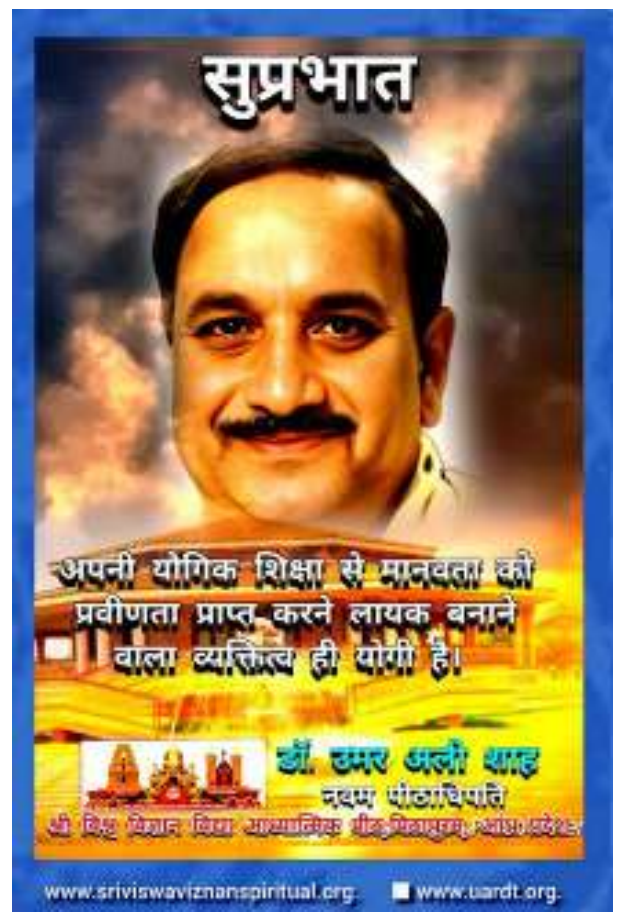

मंकुराद आम

(कुण्डलिया)

हर भाषा में एक ही, रहता जिसका नाम।
उसे 'कोंकड़ी' में कहें, 'मंकुराद' है आम।
'मंकुराद' है आम,सुगंधित गूदा वाला।
खाकर जिसका स्वाद,बताता गोवा आला।
सुन लो कहें प्रदीप, सभी की है अभिलाषा।
घर–घर में हो वृक्ष, लिखेंगी हर इक भाषा।।

पुर्तगालियो ने दिया, 'मालकारडोश नाम।
गोवा–कृषको ने कहा, है मंकुराद आम।
है मंकुराद आम,न कह बेरंगा इसको।
रस से है लबरेज़, स्वाद भाता है सबको।
सुन लो कहें प्रदीप,आम को छककर खाओ।
गोवा को यह आम,दिया पुर्तगालियो ने।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कारगिल विजय दिवस पर कांग्रेसियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी

–कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तसलीम उद्दीन ने कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। कारगिल विजय दिवस के मौके पर शनिवार को अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं वरिष्ठ

पार्षद तसलीमद्दीन के आवास पर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं प्रबुद्ध समाजसेवी द्वारा कारगिल विजय दिवस के मौके पर शहीदों को याद कर ए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। इस मौके पर पार्षद तसलीम उद्दीन ने कहां की कांग्रेस की सरकार में भारतीय सेना ने पाकिस्तान की सरजमीं पर ही विजय हासिल की। उस युद्ध में हमारे सेना के कुछ जवान शहीद हो गए आज हम सब एकजुट होकर उनके प्रति अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार 19 62 से लेकर 1971 तक भारतीय सेना के जवानों ने हर मोर्चा संभालते हुए अपने देश के लिए अपनी जान हथेली डालकर इस देश के प्रति अपनी जान बलिदान कर दिया। जिस तरह से चीन एवं बांग्लादेश के युद्ध में विजय हासिल की तो वहीं पाकिस्तान को भी मात देकर विजय हासिल कामयाबी की। पाकिस्तान आज भी उसे युद्ध को भूल नहीं पाया है। भारतीय सेना के जवानों पर हमें गर्व है। विजय गौतम एडवोकेट, मोहम्मद हसीन, अब्दुल कलाम आजाद, तबरेज अहमद, इरशादउल्लाह समीर निषाद, नफीस कुरेशी, परवेज अहमद चकिया, नफीस अहमद, मुस्तकीन, विनय पांडेय, अर्जुन सिंह पटेल, इब्राहिम, शांति देवी अजय केसरवानी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मदर फाउंडेशन का तीसरा स्थापना दिवस समारोह आज

प्रयागराज। सामाजिक संस्था ष्मदद फाउंडेशनष् आज अपना तीसरा स्थापना दिवस मना रहा है जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित हैं। ष्मदद फाउंडेशनष् विगत 3 वर्षों से ष्रविवार की

रसोईष् संचालित कर गरीब, असहाय, दिव्यांग, निराश्रित, मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं फुटपाथ पर रहकर जीवन यापन करने वालों के लिए भोजन – पानी की व्यवस्था निरूशुल्क उपलब्ध कर उनकी पीड़ा को कम करने का प्रयास कर रही है।

स्थान – हिंदुस्तानी अकैडमी सिविल लाइंस प्रयागराज
समय – दोपहर 2.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक

सम्पादकीय.....

सख्ती जरूरी

यह विडंबना है कि नियामक संस्था की सख्ती और शिक्षण संस्थाओं की सक्रियता के बावजूद रैगिंग का रोग काबू में नहीं आ रहा है। जब–तब कुछ छात्रों के आत्महत्या करने और कई मामलों में दोषी छात्रों के निलंबन व पुलिस कार्रवाई के मामले भी अक्सर उजागर होते हैं, मगर मर्ज है कि लाइलाज होता जा रहा है। सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये–नये तौर–तरीके तलाश लेते हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले यूजीसी ने देश के 89 उच्च शिक्षा संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करके सख्त हिदायत दी है कि रैगिंग पर नियंत्रण करने वाले नियमों को सख्ती से क्यों लागू नहीं किया गया। यूजीसी ने इन उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि इन संस्थाओं के परिसर में छात्रों की सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। अब जब देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में नये छात्रों के प्रवेश का सिलसिला आरंभ होने वाला है, यूजीसी ने एक बार फिर सख्ती दिखाई है। उसने रैगिंग के नये तौर–तरीकों से कड़ाई से निपटने का निर्देश दिया है। दरअसल, विभिन्न प्रसंगों में देखा गया है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये तौर–तरीके इस्तेमाल कर रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक, ऐसे मामले प्रकाश में आये हैं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप समूह बनाकर नये छात्रों को उससे जुड़ने के लिये बाध्य करते हैं। फिर छात्रों के मानसिक उत्पीड़न का सिलसिला आरंभ हो जाता है। यही वजह है कि यूजीसी ने नये छात्रों को परेशान करने के इस नये तरीके के प्रति शिक्षा संस्थानों के अधिकारियों को चेताया है कि ऐसे मामले भी रैगिंग विरोधी नियमों के दायरे में आते हैं। इन मामलों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालय, शैक्षणिक संस्थानों व कालेजों को रैगिंग मुक्त वातावरण बनाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। निश्चित रूप से नया सत्र शुरू होने से पहले यूजीसी की यह सक्रियता व सार्थक पहल स्वागत योग्य है। ऐसे में उच्च शिक्षण संस्थानों और कालेज प्रबंधन का दायित्व बनता है कि वे रैगिंग के नये तौर–तरीकों की सतर्कता से निगरानी करें। ताकि इसका इस्तेमाल नये छात्रों को आतंकित करने तथा अपमानित करने के लिए न किया जा सके। यह विडंबना ही है कि सीनियर छात्र नये छात्रों को परेशान करने के लिये नये–नये तरीके निकाल लेते हैं। यही वजह है कि नये छात्रों की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। पिछले सत्र में शिकायतें मिलीं कि सीनियर छात्र अनौपचारिक व्हाट्सएप ग्रुप में नये छात्रों को शामिल करके उन्हें धमकाते हैं। उन पर अपमानजनक नियम थोपते हैं। उन पर न केवल व्यंग्य करते हैं बल्कि गालियां भी देते हैं। ऐसे में नये भविष्य के लिए उत्साहित छात्र नयी परिस्थितियों में खुद को ढालने की कोशिश में विफल हो जाते हैं। उन्हें कई तरह से मानसिक व शारीरिक कष्टों तक का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि भयाक्रांत होने से कई छात्र विश्वविद्यालय या कालेज छोड़ने तक के लिए बाध्य हो जाते हैं। कुछ छात्र लंबे तनाव के बाद डिप्रेशन तक में चले जाते हैं। निस्संदेह, शिक्षण संस्थानों में रैगिंग की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। कहीं न कहीं विश्वविद्यालय व कालेज प्रशासन की शिथिलता व उदासीनता भी सीनियर छात्रों की गुंडाई को बढ़ावा देती है। जिसके लिये जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यही वजह है कि यूजीसी को चेतावनी देने को बाध्य होना पड़ा कि रैगिंग के किसी तरह के क्रियाकलाप पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। ऐसा न करने पर इन शिक्षण संस्थानों की रेटिंग कम करने तथा अनुदान रोकने की कार्रवाई भी हो सकती है। दरअसल, शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में रैगिंग जैसी कुरीति पर रोक लगाने के लिये जहां सीनियर छात्रों के लिये परामर्श केंद्र बनाये जाने चाहिए, वहीं नये छात्रों की भी काउंसिलिंग की जानी चाहिए, ताकि वे नयी परिस्थितियों से साम्य स्थापित कर सकें।

मताधिकार खोने का भयानक खेल

बिहार में मतदाता सूची गहन परीक्षण यानी स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) के मामले पर सरकार और विपक्ष के बीच छिड़ा विवाद इतने गंभीर स्तर तक जा पहुंचा है कि नौबत चुनाव का बहिष्कार करने जैसे फैसले की घड़ी आ गई है। बिहार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने साफ कहा है कि जब चुनाव में धांधली ही करनी है तो वैसे ही बिहार सरकार को एक्सटेंशन दे दो। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में सभी दल चुनाव बहिष्कार के बारे में बात कर सकते हैं। हमारे पास यह विकल्प है और हो सकता है कि इस पर जल्द चर्चा भी हो। यह बयान अपने आप में काफी गंभीर है। विपक्ष सरकार से मुद्दों पर बहस कर सकता है, उसके फैसलों की खामियां निकाल सकता है, उसे किसी मसले पर राय दे सकता है, लेकिन जब पिछले दरवाजे से चुनाव जीतने की कोशिशें हों और यह तय किया जाए कि विपक्ष की हर बात को काटना ही है, तब लोकतंत्र का क्या अर्थ रह जाता है। खेद है कि इस समय देश में यही सियासी माहौल बना हुआ है। संसद के तो वे दिन लद गए जब सत्र पूरी तरह चला करते थे, जरूरी विषयों पर पूरी चर्चा के बाद ही विधेयक पारित कराने की प्रक्रिया होती थी, किसी भी मुद्दे पर विपक्ष को अपनी बात पूरी तरह रखने का अधिकार मिलता था। अब ये सारी बातें आकाशकुसुम बन चुकी हैं। संसद में सरकार पूरी मनमानी करने की फिराक में रहती है और सत्र न चलने देने के लिए विपक्ष पर जिम्मा डालती है। यही वजह है कि इस मानसून सत्र के 4 दिन भी लगभग बेकार ही गए हैं। हर दिन विपक्ष एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में मोर्चा खोलकर खड़ा रहा। पूछता रहा कि आखिर किसलिए बिहार चुनाव से पहले ही यह काम करवाया जा रहा है। राहुल गांधी ने बाकायदा महाराष्ट्र और कर्नाटक में हुई धांधलियों के उदाहरण दिए। उधर बिहार विधानसभा में भी चार दिनों से इसी बात पर हंगामा खड़ा है। लेकिन इन तमाम विरोध प्रदर्शन पर अब मुख्य चुनाव आयुक्त का जवाब आया है कि क्या हम फर्जी मतदाताओं को जोड़े रखें, क्या विदेशी नागरिकों को वोट डालने दे, क्या मृत मतदाताओं के नाम सूची से नहीं हटाए जाने चाहिए। ज्ञानेश कुमार ने साफ कहा है कि चुनाव आयोग राजनैतिक दल के दबाव में आकर डरने वाला नहीं है। बड़ी अच्छी बात है कि मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनाव आयोग की संवैधानिक ताकत और ओहदे का एहसास है, लेकिन क्या उनका बयान केवल इंडिया गठबंधन के दलों के लिए था या भाजपा के लिए भी उनकी सोच वही है। क्योंकि अभी लगातार दिख रहा है कि चुनाव आयोग और भाजपा एक–दूसरे का सहारा बन कर खड़े हैं, एक पर सवाल उठता है, तो दूसरा बचाव में आ जाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने एसआईआर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन पर अपने सवाल तो खड़े कर दिए, लेकिन उन्हें बताना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट तक ने जब यह कहा है कि आप आधार कार्ड को इसमें शामिल करने पर विचार करें, तो फिर यह कदम क्यों नहीं उठाया गया है। विदेशी नागरिकों का मुद्दा भी बिल्कुल सही है, लेकिन यहां तेजस्वी यादव की बात भी सही है कि अगर बिहार में नेपाल, बांग्लादेश या किसी और देश के नागरिक वोट डालते आए हैं तो फिर यह गलती नरेन्द्र मोदी या नीतीश कुमार के जिम्मे क्यों नहीं मढ़ी जाती। विपक्ष यह सवाल भी उठा रहा है कि अगर अब तक वोटर लिस्ट गलत थी तो इतने चुनाव जो हुए हैं, क्या उनके नतीजों को भी गलत माना जाए? विपक्ष के तर्कों का चुनाव आयोग या भाजपा के पास कोई जवाब नहीं दिख रहा है और इसलिए बौखलाहट भरे कुतर्क आ रहे हैं। लेकिन अब 28 जुलाई को जब सुप्रीम कोर्ट में फिर से यह मामला उठेगा, तब तक क्या चुनाव आयोग कोई बड़ा कदम उठा चुका होगा, यह एक गंभीर चिंता इस समय की है। तेजस्वी यादव ने तो न केवल चुनाव का बहिष्कार करने की बात कही है, बल्कि यह भी कहा है कि 1 अगस्त से असली खेला शुरु होगा। यानी उन्हें संदेह है कि तब तक लाखों नाम काटे जा चुके होंगे और जिन इलाकों में पहले भाजपा हारी है, वहां नए नाम वोटर लिस्ट में जुड़ जाएंगे जिनके वोट आखिर में भाजपा को ही जाएंगे। यह खुलेआम लोकतंत्र की लूट है, इसलिए तेजस्वी यादव को कहना पड़ा है कि जब सब पहले ही तय है, तो फिर विपक्ष के चुनाव लड़ने का ही क्या मतलब है। उन्होंने यहां चंडीगढ़ वाकये की याद दिलाई है, जिसमें चुनाव अधिकारी के पद पर बैठे अनिल मसीह ने मतपत्र पर छेड़खानी की थी और यह सब कैमरे में दर्ज हुआ था। उस वीडियो को देख सुप्रीम कोर्ट भी दंग रह गया था और इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया था।

लेकिन इस हत्या के दोषियों को कोई सजा मिलते देश ने नहीं देखा। बल्कि अनिल मसीह चुनाव आयोग से निकल कर अब भाजपा के ही पार्षद बन चुके हैं। जब ऐसी धांधली के सबूत सामने हैं, और धोखेबाजों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, तब क्या भरोसा कि हरियाणा, महाराष्ट्र और अब बिहार में वैसी ही गड़बड़ी नहीं की जाएगी। तेजस्वी यादव ने साफ पूछा है कि जब लोकतंत्र में जनता को वोट ही नहीं देने दिया जाएगा तो फिर हम चुनाव लड़कर क्या करेंगे? अब इस चुनाव बहिष्कार के बयान को निर्दलीय सांसद पप्पू यादव, जेएमएम सांसद महुआ मांझी, कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी, टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी समेत कई लोगों का समर्थन मिल रहा है। हालांकि राहुल गांधी ने कहा है कि चुनाव आयोग यह न सोचे कि वह इस तरह बच जाएगा, हम उसके पीछे लगेंगे यानी यह लड़ाई अभी लंबी चलेगी। और गुरुवार को सोनिया गांधी का विपक्ष का नेतृत्व करने के लिए मैदान में उतरना इस बात का सबूत है कि यह लड़ाई अब भाजपा को भारी पड़ सकती है। राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी बेशक चुनावी राजनीति में अब नहीं हैं लेकिन भाजपा को यह याद होगा ही कि 2004 में सत्ता के उसके अहंकार को तोड़ने का काम सोनिया गांधी के नेतृत्व में ही हुआ था। यह करिश्मा 2009 में फिर उन्होंने दोहराया। हालांकि बेईमानी रोकने के नाम पर अन्ना हजारे के चेहरे पर भाजपा ने एक ऐसी चाल चली कि देश इसे समझ ही नहीं पाया। अन्ना हजारे का साथ देने वाली जनता को लगा कि वह देश से भ्रष्टाचार को दूर करने की मुहिम में अपना योगदान दे रही है, अब समझ आ रहा है कि असल में वह लोकतंत्र को खत्म करने और इसके लिए अपने मताधिकार को खोने के भयावह खेल में अनजाने में मोहरा बन गई।

लड़कियों के लिए सामाजिक व्यवस्था अब भी क्रूर और जजमेंटल

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

चंडीगढ़ की वामिका हो या जयपुर की स्वप्निल– समाज और व्यवस्था अब भी इनके लिए बेहद क्रूर है। समाज इन्हें अपनी निगाहों से तौलता–परखता रहता है और कानून वह मंच नहीं दे पाता जहां वे निडर होकर अपनी फरियाद सुना सकें। व्यवस्था अक्सर पीड़िताओं के हकद में होने से इंकार करती है। इसका नतीजा यह होता है कि एक के बाद एक कई लड़कियां और महिलाएं जुर्म का शिकार होती चली जाती हैं और फिर आधी आबादी की तरक्की के रास्ते रुक जाते हैं। परिवार उन्हें कैद रखने में ही अपना हित समझने लगते हैं। उनकी पूरी कोशिश केवल इतनी होती है कि लड़की मायके में सुरक्षित रहकर सीधे ससुराल में सुरक्षित पहुंच जाए। आंख फिर केवल तब खुलती है जब ससुराल से बेटी की असमय और संदिग्ध मौत की खबर उन्हें मिलती है। अब भी कई परिवार इसी सोच पर यकीन रखते हैं कि हमने तो डोली सजा दी, अब अर्थी भी वहीं से सज–धजकर निकले। अफसोस कि इस इतवार को जयपुर की स्वप्निल संदिग्ध हालात में मौत की नींद सो गई। व्यवस्था का हाल तो इस कध्दर अस्त–व्यस्त है कि वह अपराधी को दंड तो दूर उलटे नवाजने की दिशा में बढ़ने लगती है। स्वप्निल से पहले चंडीगढ़ की वामिका कुंडू की बात, जिसके आरोपी विकास बराला को हरियाणा सरकार ने हाल ही में असिस्टेंट एडवोकेट जनरल बना दिया है। विकास फिलहाल जमानत पर बाहर है। यह अगस्त, 2017 की घटना है जब आरोपी ने चंडीगढ़ की सड़कों पर वामिका का पीछा किया। अपने एक साथी के साथ उसकी कार में घुसकर उसे अगुआ करने की कोशिश की लेकिन साहसी वामिका ने हिम्मत नहीं हारी। किसी तरह वह बचती–बचाती रही। चंडीगढ़ की सड़कों के सीसी टीवी फुटेज इस घटना के गवाह बने। खुद को बचाने के इस संघर्षपूर्ण साहस के लिए उन दिनों के स्थानीय और राष्ट्रीय अखबार वामिका की तारीफों से अटे हुए थे। अगस्त, 2017 में आरोपी को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। वह कानून का विद्यार्थी था, उसे परीक्षा देने की अनुमति भी मिली लेकिन जनवरी, 2018 से वह जमानत पर बाहर आ गया जबकि उस पर चंडीगढ़ पुलिस ने धारा 354 डी (घूरने), 341 (गलत आचरण), 365 (अपहरण की कोशिश) और धारा 511 के तहत अपराध दर्ज किए हैं। यानी आरोपी अपराध तो करना चाहता था लेकिन किसी कारण से वह सफल न हो सका। विकास पर नशे में गाड़ी चलाने का भी इलजाम था। वामिका के पिता वीएस कुंडू आईएएस अफसर हैं और आरोपी के यूं सरकारी सिस्टम का हिस्सा बनने के बाद उन्होंने कहा कि इस पर मेरी या वामिका की टिप्पणी की क्या जरूरत है? यह सरकार को देखना चाहिए कि वह जिम्मेदार पदों पर कैसे लोगों को नियुक्त कर रही है जबकि केस अब भी चल रहा है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में उन्होंने कहा कि–हमने न्याय व्यवस्था में गहरी आस्था के साथ इस केस को रखा था लेकिन सात साल हो गए, कुछ नहीं हुआ। गौर करना चाहिए कि आरोपी के पिता सुभाष बराला उस समय भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष (2014–2020) थे और अब इसी पार्टी से राज्यसभा के सांसद हैं। क्या यह समझना मुश्किल है कि हाई प्रोफाइल मामलों में देर क्यों होती है? जबकि ऐसे पदों से मिसाल पेश की जानी चाहिए ताकि लड़कियां बेखौफ होकर अपनी जिन्दगी और कैरियर की राह चुन सकें। संकेत साफ हैं कि एक आईएएस की बेटी के लिए भी न्याय का रास्ता काफी टेढ़ी डगर से ही गुजरता है। बरसों–बरस मामला खिंचता है और अपराधी सरकारी पद भी पा जाता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि उत्तराखंड की अंकिता भंडारी को जरूर न्याय मिला लेकिन वह अब दुनिया में नहीं है। अंकिता भी केवल 19 साल की थी और देहरादून के रिसोर्ट में रिसेप्शनिस्ट थी। उसकी हत्या रिसोर्ट के मालिक पुलकित आर्य ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कर दी थी। अंकिता का शव छह दिन बाद ऋषिकेश की नहर से बरामद हुआ था। वह 18 सितंबर, 2022 से गायब थी। अंकिता के पिता सुरक्षा गार्ड थे और वह दस हजार रूपए की नौकरी से पिता की आर्थिक मदद करना चाहती थी। केवल उत्तराखंड में नहीं समूचे उत्तर भारत की निम्न मध्य और मध्यम आय वर्गीय बेटियों की राह में काम करने की राह में कई चुनौतियां हैं। मेहनत कर के मुकघम पाने की राह में ये लड़कियां अपराधियों के हत्थे चढ़ जाती हैं। नतीजतन देश की आधी आबादी अब भी घर की चार दीवारी में ही सुरक्षा देखती है लेकिन स्वप्निल के मामले में तो उसका घर ही उसकी जान ले गया। इस घटना के लिखने को एक श्कन्फेशन नोटश कहना ज्यादा सही होगा क्योंकि अगर जो भीतर जाया जाता तो बहुत कुछ बचाया जा सकता था। इन दिनों हर कोई इस कदर सभ्य हो गया है कि कोई किसी के मामले में न दाखिल होना चाहता है और न दखल देना। लगभग दो साल पहले ही स्वप्निल हमारी बिल्डिंग के एक फ्लैट में आकर रहने लगी थी। पति और बच्चे के साथ परिवार को देखकर सभी आश्वस्त हो जाते हैं कि परिवार है, सब कुछ सही ही होगा। अकेले लड़के–लड़कियों को जरूर शकध की निगाह से देखा जाता है। इस परिवार को रहते हुए कुछ ही समय बीता होगा कि एक दिन स्वप्निल रात के समय जोर–जोर से पड़ोसी का दरवाजा पीटते हुए चीख रही थी कि उसे बचा लो, उसका पति उसे मार डालेगा। परिवार का मामला मानकर सभी ने उसे समझा–बुझाकर वापस भेज दिया। शायद इसी समय पीड़िता समाज से उम्मीद करती है कि उसकी रक्षा की जाए, उसकी तकलीफ सुनी जाए। पुलिस के पास जाने की हिम्मत बहुत कम महिलाएं जुटा पाती हैं। वामिका जरूर अपने पिता के सहयोग से ऐसा कर पाती है लेकिन न्याय तब भी नसीब नहीं हो पाता। स्वप्निल भी पुलिस के पास नहीं गई। उसका ससुराल पक्ष जो करीब ही रहता था, बिल्डिंगवासियों को बहू के अजीबो–गरीब किस्से सुना कर चला गया कि इसके ही लक्षण ठीक नहीं हैं और यह अच्छी बहू होने के काबिल नहीं है। बिल्डिंगवासी दोबारा अपनी जिन्दगी में शामिल हो गए। बाद में पता चला कि स्वप्निल को कैंसर हो गया है और वह अब ठीक भी हो रही है। इस बीच कुछ महीनों तक फ्लैट खाली रहा। फिर यह परिवार लौट आया। लगा जैसे इनकी जिन्दगी अब सामान्य है और पति –पत्नी में सुलह हो चुकी है। यह सच नहीं था। बमुश्किल एक महीना भी नहीं बीता था कि स्वप्निल के फ्लैट के आगे शोर था और पड़ोसी घबराए हुए एम्बुलेंस और पुलिस को फोन कर रहे थे। बेसुध स्वप्निल जमीन पर पड़ी थी और चुन्नी पंखे से लटक रही थी। बच्चा घबराहट में कांप रहा था, रो रहा था और उसका पति कभी दौड़ता तो कभी उसे पानी पिलाता। पुलिस एम्बुलेंस से पहले आ गई। वह वीडियो बनाते हुए घर में दाखिल हुई, जब हाथ जोड़कर प्रार्थना की गई कि पहले अस्पताल ले जाया जाए तो वे उसे जयपुर के ही सवाई मान सिंह अस्पताल ले गए लेकिन स्वप्निल जिंदा नहीं थी। बाद में स्वप्निल के पिता ने अपनी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने की बात पुलिस से कही और कहा कि पति समेत पूरे परिवार ने मेरी बेटी की जान ले ली। नशे का आदी उसका पति उसे पीटता था इसलिए वह कुछ समय मेरे पास आकर रही थी। शायद यह सब कहने में देर हो चुकी थी। स्वप्निल की मौत आत्महत्या है या हत्या, कानूनी पड़ताल का विषय है लेकिन दोनों ही परिस्थितियों में वह समाज से कई सवाल करती है। आत्महत्या एक व्यक्ति की नहीं समाज के कमजोर ताने–बाने की असफलता है। बिना मदद के स्वप्निल जैसी अनगिनत महिलाएं घुटती ही चली जाती हैं। कभी वे खुद अपना गला घोंट लेती हैं तो कभी घर की हिंसा उन्हें मार देती है।

क्या मोहन भागवत 75 साल पूरे करने के बाद सितंबर में पद छोड़ देंगे?

अरुण कुमार श्रीवास्तव

जैसे–जैसे 11 सितंबर नजदीक आ रहा है, जिस दिन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 75 साल के हो जाएंगे– जो कि आरएसएस द्वारा निर्धारित सेवानिवृत्ति की समय सीमा है, आरएसएस तंत्र में एक बड़ी हलचल है। वे सभी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि क्या भागवत आखिरकार 11 सितंबर को अपना कार्यकाल समाप्त करेंगे और दूसरों से भी ऐसा करने के लिए कहेंगे, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हैं, जो 17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे। वरिष्ठ भाजपा नेता और आरएसएस के नेता भी इस बात पर जोर देते हैं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत शायद ही कभी कोई अनौपचारिक टिप्पणी करते हैं। उनकी टिप्पणियां अक्सर गंभीर होती हैं और दूरगामी परिणाम लाती हैं। जाहिर है, पुस्तक विमोचन समारोह, जहां भागवत ने सुझाव दिया कि 75 वर्ष की आयु के बाद लोगों को सार्वजनिक जीवन से दूर हो जाना चाहिए, का राजनीतिक महत्व बहुत ज्यादा है। इस टिप्पणी के निहितार्थ ने ही भगवा समुदाय को अनिश्चितता के दलदल में धकेल दिया है। दोनों संगठनों, आरएसएस और भाजपा, के नेता लगभग स्तब्ध हैं। वे भागवत की इस टिप्पणी का अर्थ समझने के लिए उत्सुक हैंरू पिंगले ने कहा था कि आपने मुझे 75 वर्ष की आयु में शॉल दिया था, लेकिन मैं इसका अर्थ जानता हूं। जब किसी को 75 साल की उम्र में सम्मानित किया जाता है, तो इसका मतलब होता हैरू अब आपका समय पूरा हो गया है, अब आप हट जाइए और हमें काम करने दीजिए। भगवा नेताओं का मानना है कि वह यह टिप्पणी किसी और मौके पर कर सकते थे। उन्होंने मोरोपंत पिंगले हिंदू पुनरुत्थान के शिल्पी पुस्तक के विमोचन को ही क्यों चुना? यह भगवा नेताओं को हैरान कर गया है। फिर भी, भागवत ने मोदी का नाम विशेष रूप से नहीं लिया, जो 17 सितंबर को 75 साल पूरे कर रहे हैं। हालांकि कुछ नेता यह मानने को तैयार नहीं हैं कि भागवत 11 सितंबर को पद छोड़ देंगे, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के एक वर्ग का मानना है कि उनकी टिप्पणी इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने पद छोड़ने का मन बना लिया है। अगर वह अंतिम निर्णय पर नहीं पहुंचते, तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात नहीं रखते। उन्हें पूरा यकीन है कि भागवत उस दिन पद छोड़ देंगे, जब तक कि कोई असाधारण स्थिति न आ जाए। भागवत ने यह सुझाव नहीं दिया है। इससे पहले, आरएसएस प्रमुख केएस सुदर्शन ने 2005 में सार्वजनिक रूप से अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी, जो उस समय भाजपा के दो चेहरे थे, से युवा नेताओं के लिए रास्ता बनाने का अनुरोध किया था। इसने पार्टी के अंदर एक बहस छेड़ दी थी। संयोग से, प्रधानमंत्री बनने के बाद, मोदी ने लालकृष्ण आडवाणी और अन्य वरिष्ठ नेताओं को संगठन से बाहर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया। भगवा नेताओं को यकीन है कि 75 साल की उम्र में भागवत पद छोड़ देंगे ताकि मोदी पर उनके नक्शेकदम पर चलने का दबाव बनाया जा सके। संघ और भाजपा नेताओं का मानना था कि भागवत को खुद एक मिसाल कायम करनी चाहिए और शायद वह ऐसा करेंगे। फिर भी, कुछ वरिष्ठ आरएसएस नेताओं का मानना है कि उन्हें कुछ और समय इंतजार करना चाहिए। लोकसभा चुनाव 2029 में होने हैं। तब तक मोदी को अनुमति दी जा सकती है। उन्हें अपने 15 साल के कार्यकाल के बाद किसी अन्य नेता को प्रधानमंत्री पद का रास्ता देना चाहिए। अगर मोदी अभी भी बने रहना चाहते हैं, तो आरएसएस को उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर करना चाहिए। अब सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि भागवत इस कदम को कैसे देखते हैं, जिसे भाजपा नेतृत्व में व्यापक समर्थन मिला है। हालांकि, इस संघर्ष की प्रकृति और चरित्र और जिस तरह से इसे लड़ा जा रहा है, उस पर एक नजर डालने से यह सच्चाई सामने आएगी कि वास्तविक कारण बिल्कुल अलग है और इसके गहरे सामाजिक निहितार्थ हैं। एक बात तो साफ दिखाई दे रही है। मोदी के वफादार हर संभव कोशिश कर रहे हैं और इस धारणा को प्रचारित कर रहे हैं कि मोदी को सत्ता में बने रहना चाहिए। इसके विपरीत, आरएसएस का एक भी शीर्ष नेता उनके सुझावों का समर्थन करने के लिए सामने नहीं आया है। वे बस श्देखो और इंतजार करोश और श्कौन पहले हटेगाश की मुद्रा में हैं। आरएसएस भाजपा में आमूल–चूल परिवर्तन के पक्ष में है। संगठन भगवा तंत्र में बदलाव करना चाहता है। उनका मानना है कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी जीवंतता और जवाबदेही खो दी है। महाराष्ट्रीयन ब्राह्मणों का राजनीतिक संगठन आरएसएस, भाजपा के गुजराती ओबीसी नेताओं के खिलाफ वर्चस्व के लिए तीखे संघर्ष में लगा हुआ है। अपनी ओर से, गुजराती लॉबी भाषा के मुद्दे का इस्तेमाल आरएसएस और भाजपा के मराठा नेताओं को अलग–थलग करने के लिए कर रही है।

महाराष्ट्र में गुजराती नेताओं और महाराष्ट्रीयन लॉबी के बीच तीखा संघर्ष देखा गया है।

हाल के दिनों में दोनों के बीच दरार और बढ़ गई है। महाराष्ट्रीयन भगवा कार्यकर्ताओं की पहचान के लिए श्दक्कनश शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि भगवा नेता सार्वजनिक रूप से वर्ग संघर्ष के दर्शन को स्वीकार नहीं करते हैं, लेकिन हाल के वर्षों में महाराष्ट्रीयन ब्राह्मणों और गुजराती ओबीसी नेताओं के बीच टकराव तेज हो गया है। गुजराती नेतृत्व भगवा पारिस्थितिकी तंत्र को नियंत्रित करने और ब्राह्मणवादी प्रभुत्व को समाप्त करने के लिए दृढ़ है, यह प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद उनके द्वारा वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करने और उन्हें मार्गदर्शक मंडल में भेजने के पहले ही कदम से स्पष्ट हो गया था। मोदी द्वारा बाद में खुद को सर्वोच्च नेता के रूप में पेश करने और अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी जगह न देने जैसे कदम उनकी इस मंशा के प्रमाण हैं। यद्यपि आरएसएस दलितों और आदिवासियों को संगठन में शामिल करने का प्रयास करता रहा है, लेकिन तथ्य यह है कि उसने उन्हें कभी भी प्राथमिक नहीं माना। इस वर्गीय टकराव ने आरएसएस और भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं और नेताओं के एक वर्ग को श्पार्टी विद अ डिफरेंसश के दावे पर सवाल उठाने पर मजबूर कर दिया है। वे बताते हैं कि जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ था, तो इसके संस्थापक नेताओं और खासकर इसके गठन से जुड़े आरएसएस नेताओं ने इसे श्पार्टी विद अ डिफरेंसश होने का दावा किया था। यह मिथक इसके अस्तित्व के 45 साल के भीतर ही उजागर हो गया है। इसके विपरीत, कांग्रेस, जिसका गठन कम से कम 140 साल पहले, 1885 में हुआ था, आज भी अपनी नैतिकता पर कायम है, इसके बावजूद कि सामंती और धनी लोग अभी भी अपनी बात रखते हैं। कर्नाटक के ब्राह्मण और लिंगायत, महाराष्ट्र के अपने समकक्षों की तरह, गुजराती जोड़ी को कर्नाटक को गुजरात के लिए दूधारू गाय बनाने की उनकी कोशिशों के लिए नापसंद करते हैं।

जो सोचा नहीं था, वही कर दिखाया

मृणाल ठाकुर

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं था कि वह श्सन ऑफ सरदार 2श जैसी मुख्यधारा की कॉमेडी फिल्म में अभिनय कर पाएंगी। मृणाल ठाकुर ने इस फिल्म में काम करने का अवसर देने के लिए सह–कलाकार अजय देवगन का आभार व्यक्त किया। श्सन ऑफ सरदारश 2012 में रिलीज हुई थी, जिसका यह दूसरा भाग है। श्सन ऑफ सरदार 2श का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कहा कि मुझे इस फिल्म में जस्सी (अजय देवगन के किरदार) को परेशान करने में बहुत मजा आया। इस बार 4 महिलाएं मिलकर उन्हें तंग करती हैं। यह मेरी पहली व्यावसायिक (कमर्शियल) फिल्म है। मैं अजय सर और निर्देशक की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया। उन्होंने आगे कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं राबिया जैसे किरदार को निभा पाऊंगी। जस्सी को परेशान करने वाले सीन को करने से पहले मैं सोच रही थी कि 'क्या मैं इसे कर पाऊंगी?श दीपक सर (डोबरियाल), कुब्रा सैत, रोशनी और बाद में चंकी सर के साथ मिलकर हम सबने बहुत मजा किया। विशेषकर दीपक सर के साथ काम करना बहुत आनंददायक रहा। फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। इस फिल्म में रवि किशन, संजय मिश्रा, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, रोशनी वालिया, शरद सक्सेना, साहिल मेहता जैसे अनुभवी और प्रतिभाशाली कलाकारों ने अभिनय किया है। फिल्म में मुकुल देव भी नजर आएंगे। उनका इस वर्ष मई में 54 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। श्सन ऑफ सरदार 2श आगामी 25 जुलाई को रिलीज होगी।मृणाल ठाकुर ने कहा, ष्मुझे इस फिल्म में जस्सी (अजय देवगन के किरदार) को परेशान करने में बहुत मजा आया। इस बार चार महिलाएं मिलकर उन्हें तंग करती हैं। यह मेरी पहली व्यावसायिक (कमर्शियल) फिल्म है और मैं अजय सर और निर्देशक की बेहद आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह मौका दिया।ष उन्होंने आगे कहा, ष्मैं कभी नहीं सोचा था कि मैं राबिया जैसे किरदार को निभा पाऊंगी। जस्सी को परेशान करने वाले सीन को करने से पहले मैं सोच रही थी कि 'क्या मैं इसे कर पाऊंगी?श लेकिन दीपक सर (डोबरियाल), कुब्रा सैत, रोशनी और बाद में चंकी सर के साथ मिलकर हम सबने बहुत मजा किया। विशेषकर दीपक सर के साथ काम करना बहुत आनंददायक रहा।ष बता दें, श्सन ऑफ सरदारश 2012 में रिलीज हुई थी, जिसका यह फिल्म दूसरा भाग है। श्सन ऑफ सरदार 2श का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। इस फिल्म में रवि किशन, संजय मिश्रा, नीरू बाजवा, चंकी पांडे, कुब्रा सैत, दीपक डोबरियाल, विंदू दारा सिंह, रोशनी वालिया, शरद सक्सेना, साहिल मेहता जैसे सितारे मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में मुकुल देव भी नजर आएंगे। उनका इस वर्ष मई में 54 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। ज्योति देशपांडे, एन आर पचीसिया और प्रवीण तलरेजा के साथ देवगन द्वारा निर्मित श्सन ऑफ सरदार 2श आगामी 25 जुलाई को रिलीज होगी।ष्मुझे इस फिल्म में जस्सी (देवगन का किरदार) को परेशान करना बहुत अच्छा लगा। इस फिल्म में चार महिलाएँ उसे परेशान करती हैं। यह मेरी पहली व्यावसायिक फिल्म है। मैं अजय सर और निर्देशक का आभारी हूँ जिन्होंने मुझे यह मौका दिया।ष ष्मैं खुद को राबिया के रूप में कल्पना नहीं कर सकती थी, और फिल्म में जस्सी को प्रताड़ित करने के लिए, मैं सोच रही थी श्क्या मैं यह सब कर पाऊंगी?श लेकिन फिर दीपक सर (डोबरियाल), कुब्रा (सैत), रोशनी और बाद में चंकी सर की मदद से हमने खूब मजा किया। मुझे दीपक सर के साथ बहुत मजा आया,ष ठाकुर, जिन्हें ष्लव सोनियाष्, ष्सुपर 30ष्, ष्सीता राममष्और ष्हाय नन्नाष् जैसी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है, ने यहां ष्सन ऑफ सरदार 2ष् के ट्रेलर लॉन्च पर कहा। ष्मुकुल मेरा पुराना दोस्त था। हमने लगभग 40 दिन साथ बिताए थे, और अचानक (उसका निधन हो गया)। वह बहुत उत्साहित था। आपको वह पसंद आएगा, उसके सभी चुटकुलों और अभिनय के साथ आपको बहुत मजा आएगा। हम सभी मुकुल से प्यार करते हैं, और हमें उसकी याद आती है। मैं मुकुल के लिए फिल्म देखने का सुझाव दूँगा, वह एक बेहतरीन अभिनेता है,ष किशन ने कहा। सैत ने कहा कि देव सेट पर आने वाले पहले व्यक्ति थे और कलाकार उन्हें याद करते हैं। शुरुआत में, दत्त को अपनी भूमिका फिर से निभानी थीय लेकिन यूके द्वारा वीजा अस्वीकृत होने के कारण वे यूके के कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। उनकी जगह किशन को लिया गया। ष्मैं अजय सर और ब्रिटिश सरकार का शुक्रगुजार हूँ, जिन्होंने मुझे वीजा दिया, जिसकी वजह से मैं यह फिल्म कर पाया। संजू बाबा ने पहले भाग में यह भूमिका निभाई थी, लेकिन किसी कारणवश वे इसे नहीं कर पाए, और मैं सीक्वल में यह भूमिका निभाने को लेकर बहुत चिंतित और तनावग्रस्त था। अजय सर को मुझ पर पूरा भरोसा था। मुझे यकीन है कि लोग यह फिल्म देखकर मनोरंजन करेंगे,ष किशन ने कहा। डोबरियाल ने कहा कि महिला की भूमिका निभाना सबसे बड़ी चुनौती थी। अभिनेता ने कहा, ष्मैं इस फिल्म में एक महिला का किरदार निभा रहा हूँ। यह एक मुश्किल किरदार था। मैं सेट पर महिला की तरह कपड़े पहनता था, लेकिन मेरी बॉडी लैंग्वेज पुरुषों जैसी होती थी। मुझे यह समझने में लगभग पाँच दिन लगे कि सब मुझे एक खास नजर से क्यों देख रहे थे।ष देवगन द्वारा ज्योति देशपांडे, एनआर पचीसिया और प्रवीण तलरेजा के साथ निर्मित ष्सन ऑफ सरदार 2ष् 25 जुलाई को रिलीज होगी।आगामी एक्शन–कॉमेडी, जो 2012 की हिट फिल्म श्सन ऑफ सरदारश का सीक्वल है, में अजय देवगन एक बार फिर मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। ठाकुर ने मुंबई में ट्रेलर लॉन्च के मौके पर कहा, ष्मुझे इस फिल्म में जस्सी (देवगन का किरदार) को परेशान करना बहुत पसंद आया। कहानी में चार महिलाएं उसे परेशान करती हैं।ष उन्होंने आगे कहा, ष्यह मेरी पहली व्यावसायिक फिल्म है और मुझे यह मौका देने के लिए मैं अजय सर और निर्देशक का आभारी हूँ।ष ष्मैं खुद को राबिया के रूप में कल्पना भी नहीं कर सकती थी, न ही खुद को स्क्रीन पर जस्सी को प्रताड़ित करते हुए देख सकती थी। मैं सोचती रही, श्क्या मैं ये कर पाऊँगी?

आलिया–रणबीर से लेकर सिड–कियारा तक, ये सेलेब्स कर चुके हैं नन्ही परी का स्वागत

बॉलीवुड के खूबसूरत कपल में शामिल रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने अप्रैल 2022 में शादी की थी। इसके बाद इसी साल नवंबर के महीने में आलिया ने एक बेटी को जन्म दिया। आलिया–रणबीर ने अपनी बेटी का नाम राहा रखा है। अक्सर ही आलिया और रणबीर राहा के साथ नजर आते हैं। अभिनेता वरुण धवन ने साल 2021 में अपनी स्कूल के दिनों की मित्र नताशा दलाल से शादी की थी। शादी के तीन साल से भी अधिक समय के बाद साल 2024 में वरुण धवन एक बेटी के पापा बने हैं। उनकी पत्नी नताशा ने जून 2024 में एक बेटी को जन्म दिया था। वरुण ने अपनी बेटी का नाम लारा रखा है। हालांकि, अभी तक वरुण और नताशा की बेटी का चेहरा सामने नहीं आया है। बॉलीवुड के रोमांटिक कपल में शुमार दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अक्सर एक–दूसरे पर प्यार लुटाते रहते हैं। कई साल चले अफेयर के बाद रणवीर और दीपिका दिसंबर 2018 में शादी के बंधन में बंध गए थे। शादी के बाद भी दोनों फिल्में करते रहे। शादी के लगभग छह साल बाद सितंबर 2024 में दीपिका ने एक बेटी को जन्म दिया और कपल पेरेंट बना। रणवीर–दीपिका ने अपनी बेटी का नाम दुआ रखा है। इंडस्ट्री में करीना कपूर और कई अन्य हीरोइन के साथ नाम जुड़ने के बाद शाहिद ने जुलाई 2015 में मीरा कपूर को अपना जीवनसाथी बना लिया। दोनों अक्सर एक–दूसरे पर सोशली प्यार लुटाते रहते हैं। शादी के लगभग एक साल के बाद शाहिद और मीरा एक बेटी के पेरेंट्स बने। मीरा ने अगस्त 2016 में बेटी को जन्म दिया। शाहिद की बेटी का नाम मीशा है। शाहिद और मीरा का एक बेटा भी है। बॉलीवुड की हॉट एक्ट्रेस रहीं बिपाशा बसु अप्रैल 2016 में करण सिंह ग्रोवर के साथ शादी के बंधन में बंध गई थीं। शादी के छह साल बाद बिपाशा और करण एक बेटी के पेरेंट्स बने। नवंबर 2022 में बिपाशा ने एक बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम देवी है। सुनील शेट्टी की बेटी अथिया ने जनवरी 2023 में एक लंबे अफेयर के बाद क्रिकेटर केएल राहुल के साथ शादी की थी। इसके बाद इसी साल मार्च के महीने में अथिया ने एक बेटी को जन्म दिया है। राहुल–अथिया ने अपनी बेटी का नाम इवाराह रखा है। इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं बॉलीवुड की देसी गर्ल यानी कि प्रियंका चोपड़ा साल 2018 में अमेरिकन सिंगर–एक्टर निक जोनस के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। शादी के लगभग चार साल बाद 2022 में प्रियंका सरोगेसी की मदद से एक बेटी की मां बनी हैं। निक और प्रियंका ने अपनी बेटी का नाम मालती रखा है। प्रियंका अक्सर मालती की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं।

जेनेलिया की खूबसूरती पर क्या बोले राजामौली?

हाल ही में जेनेलिया डिसूजा की तेलुगु फिल्म 'जूनियर' का प्री इवेंट हुआ। इस इवेंट में फिल्ममेकर एसएस राजामौली और जेनेलिया का आमना–सामना हुआ। दोनों की मीटिंग का वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल है। दरअसल, इवेंट के दौरान, राजामौली जेनेलिया की खूबसूरती देख खुद को तारीफ करने से नहीं रोक पाए। वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि एसएस राजामौली स्टेज से कहते हैं, श्जेनेलिया, तुमने तो समय को रोक दिया है। क्या... कितने साल बीत गए, फिर भी तुम बिल्कुल वैसी ही दिखती हैं। वही खूबसूरती, वही शालीनता। मैंने सिनेमैटोग्राफर सेंथिल से भी पूछा कि क्या हमें इसमें नई जेनेलिया देखने को मिलेगी, और उन्होंने भरोसा दिलाया, जरूर मिलेगी। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।श राजामौली से मिली तारीफ को सुनकर जेनेलिया काफी खुश नजर आ रही हैं। फिर वो उन्हें इसके लिए शुक्रिया भी कहती हैं। स्टेज से उतरने के बाद राजामौली वहां मौजूद सभी लोगों से मिलते हुए जेनेलिया के पास पहुंचते हैं। वहां भी वो जेनेलिया की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। बता दें कि जेनेलिया ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। एसएस राजामौली के साथ जेनेलिया ने साल 2004 में फिल्म श्सईश में काम किया था। ये फिल्म कमर्शियल सक्सेसफुल रही थी और इस चार नंदी अवॉर्ड भी मिले थे। जेनेलिया ने लंबे समय के गैप के बाद हाल ही में फिल्म श्सितारे जमीन परश से बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस फिल्म को काफी अच्छा रिस्पांस मिला है। एक्ट्रेस फिल्म श्जूनियरश से तेलुगु सिनेमा में भी वापसी कर रही हैं। श्जूनियरश 18 जुलाई को रिलीज हो गई है।

क्या फराह ने दीपिका पादुकोण के आठ घंटे वर्किंग शिफ्ट पर कसा तंज? बोलीं– 'तपकर ही सोना बनता है'

फराह खान ने अपने हालिया व्लॉग में राधिका मदान से बातचीत के दौरान काम करने के घंटों पर बात की। राधिका की शूटिंग के समय को जानकर वह काफी हैरान हुईं। इसके लिए राधिका की तारीफ की। साथ ही जो कमेंट फराह ने किया, उससे लगता है कि वह दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम करने वाली डिमांड को सपोर्ट नहीं कर रही हैं। फराह खान अपने कुकिंग यूट्यूब चौनल के व्लॉग के लिए सेलिब्रिटीज के घर जाती हैं। सेलिब्रिटीज के साथ मिलकर खाना बनाती हैं और उनके करियर को लेकर बात करती हैं। हाल ही में फराह खान टीवी से फिल्मों में आई एक्ट्रेस राधिका मदान के घर पहुंचीं। व्लॉग में राधिका से बातचीत के दौरान फराह ने पूछा कि टीवी सीरियल के दिनों में तुम्हारी 8 घंटे की शिफ्ट नहीं थी?' राधिका ने जवाब दिया, '48 से 56 घंटे बिना रुके हम शूटिंग करते थे।' यह सुनकर फराह बोलीं, 'ऐसे तपकर ही तो सोना बनता है।' फराह की इस बात से पता चलता है कि वह आठ घंटे की शूटिंग शिफ्ट को सपोर्ट नहीं कर रही हैं। इस तरह से वह दीपिका के सपोर्ट में भी नजर नहीं आ रही हैं। बताते चलें कि फराह खान ने शाहरुख खान के साथ फिल्म 'ओम शांति ओम(2007)' बनाई, इसमें दीपिका पादुकोण को हीरोइन लिया, यह दीपिका की बॉलीवुड में पहली फिल्म थी। इस फिल्म ने दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड में स्टार बना दिया। आज भी फराह खान और दीपिका पादुकोण के बीच अच्छी बॉन्डिंग है। दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में काम करने के दौरान 6 से 8 घंटे की ही शूटिंग करने की डिमांड रखी। दरअसल, वह अपनी बेटी को भी समय देना चाहती थी तो और पूरा वक्त शूटिंग पर नहीं रहना चाहती थीं। इसके बाद उन्हें फिल्म 'स्पिरिट' से रिप्लेस कर दिया, उनकी जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। संदीप रेड्डी ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट भी की थी, जिसमें दीपिका को भला–बुरा भी कहा था। इसके बाद ही इस विवाद से तुल पकड़ा। साथ ही जो हीरोइनें मां बनी हैं, उनके आठ घंटे शूटिंग करने की डिमांड तेज होने लगी।

सावन में बनाएं मीठी आलू टिक्की, बॉडी को मिलेगी भरपूर एनर्जी

पति की लंबी उम्र से लेकर परिवार में सुख– समृद्धि के लिए महिलाएं इस दौरान भगवान शिव की आराधना करती हैं। इस दौरान सोमवार के व्रत भी रखे जाते हैं। अगर आप भी भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए व्रत रख रहीं हैं तो इस दौरान खुद को energetic रखने के लिए आलू की मीठी टिक्की बना सकती हैं। इससे बॉडी को इंस्टेंट एनर्जी देता है। आइए आपको बताते हैं आलू के टिक्की की रेसिपी...

सामग्री

आलू– 7 से 8 मीडियम साइज के
गुड़ का बूरा– 100 ग्राम
काजू– 2 टेबल स्पून
बादाम– 1 टेबल स्पून
चिरौंजी–) टेबल स्पून
नारियल का बुरा– 1 टेबल स्पून
घी– 4 टेबल स्पून

आलू टिक्की बनाने की विधि

1. आलू को धोकर अच्छी तरह साफ कर लें और फिर इसे छिलके समेत उबाल लें।

2. 4 से 5 सीटी आने पर गैस बंद करें और आलू को ठंडा होने पर छील लें।

3.अब स्मैशर की मदद से आलू को अच्छी तरह तोड़ लें और फिर हाथों से आलू मिलाएं जैसे आटा गूंधते हैं।

4. काजू और बादाम को बारीक टुकड़ों में काट लें और चिरौंजी समेत काजू–बादाम को पैन में ड्राई रोस्ट कर लें।

5. अब ड्राई रोस्ट किए हुए ड्राई फ्रूट्स में नारियल का बूरा और गुड़ का बूरा डालकर अच्छी तरह मिला लें।

6.आलू की छोटी–छोटी लोई लें और उसमें इस गुड़ वाले मिश्रण करें।

7. स्टफिंग इतना ही भरें कि सेंकते हुए टिक्की से यह मिश्रण बाहर न आ जाए।

8. सभी को इसी तरह भर लें और गैस पर तवा चढ़ाएं।

9. जब तवा गर्म हो जाए, तब इस पर घी डालें और स्टफ किए हुए टिक्की को तवे पर रखकर धीमी आंच पर सेकें।

10. इस मीठी टिक्की को गर्मागर्म सर्व करें, इससे आपको दिन भर एनर्जी रहेगी।

अब एक बार में 50 तरह के कैंसर की होगी पहचान, नए टेस्ट से जगी उम्मीद

कैंसर जैसी घातक बीमारी जितनी तेजी से फैल रही है उतनी ही तेजी से इसे लेकर जांच भी बढ़ रही है। डॉक्टर विभिन्न प्रकार के तरीकों का उपयोग करके कई सामान्य प्रकार के कैंसर के लिए नियमित जांच की सलाह देते हैं। इसी बीच

एक नए ब्लड टेस्ट की जानकारी मिली है, जिसकी मदद से 50 प्रकार के कैंसर का पता लगाया जा सकेगा।

हेल्थकेयर कंपनी ने किया विकसित

ब्रिटेन की स्वास्थ्य एजेंसी नेशनल हेल्थ सर्विस ने इस टेस्ट का परीक्षण शुरू कर दिया है, इसका नाम गैलेरी ब्लड टेस्ट रखा गया है। बताया जा रहा है कि इस टेस्ट को हेल्थकेयर कंपनी ग्रेल ने विकसित किया है। टेस्ट का परीक्षण1,40,000

स्वस्थ लोगों पर किया जा रहा है, माना जा रहा है कि ये पहला ऐसा परीक्षण है जिसे नेशनल हेल्थ सर्विस कैंसर रिसर्च यूके और किंग्स कॉलेज लंदन के साथ मिलकर कर रहे हैं।

दावा किया जा रहा है कि खून की जांच से ही कैंसर का शुरुआती दौर में ही पता चला जाएगा। वैज्ञानिकों ने यह दावा छह हजार से अधिक लोगों के खून परीक्षण के बाद किया है। गैलरी टेस्ट से एक नहीं बल्कि पचास से अधिक प्रकार के कैंसर का पता लगाया जा सकेगा।

गैलरी टेस्ट एक टेस्ट है, जिसका इसका मेन काम है उन बायोलॉजिकल सिग्नल्स या संकेतों को ढूंढना जो हिंट दें कि शरीर में कैंसर मौजूद है। ये ब्लड–स्ट्रीम में मौजूद कैंसर सेल्स द्वारा छोड़े हुए को डिटेक्ट कर बीमारी का पता लगाता है। खून के परीक्षण से ये अनुमान भी लगाया जा सकता है कि शरीर में संभावित खतरा कहां पर है। टेस्ट के रिजल्ट्स 50 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के परीक्षण पर आधारित हैं।

सावन: भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं इन चीजों से करें खुद का श्रृंगार

सावन का पवित्र महीना इस साल कई मायनों में खास है।,इस बार मलमास लगने के कारण सावन का महीना पूरे 59 दिनों का होने जा रहा है। मान्यताओं के अनुसार, इस महीने भगवान शिव की पूजा–अर्चना करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। मान्यता यह है कि इस दौरान हर सुहागिन महिला अपने पति की खुशहाली के लिए कामना करती रहती है, क्योंकि पति से ही महिला का सौभाग्य माना जाता है। चाहे कुंवारी लड़कियां हो या शादीशुदा महिलाएं सभी भगवान शिव को मनाने के लिए सावन मास में विशेष जतन करती हैं। इस दौरान शादीशुदा महिलाएं ना सिर्फ वक्र करती हैं बल्कि सोलह श्रृंगार करके पति की लंबी उम्र की कामना भी करती हैं। शास्त्रों के अनुसार सोलह श्रृंगार सिर्फ खूबसूरती ही नहीं महिलाओं के भाग्य को भी बढ़ाता है। चलिए जानते हैं सोलह श्रृंगार में होते हैं कौन–कौन से

लाल जोड़ा

सावन महीने में भगवान शिव का आर्शीवाद पाने के लिए आप लाल रंग के कपड़े पहनें। इसे सोलह श्रृंगार का हिस्सा माना जाता है। भूलकर भी सावन में काले रंग के वस्त्र ना पहनें।

बिंदी

दोनों भौंहों के बीच कुमकुम से लगाई जाने वाली बिंदी भगवान शिव के तीसरे नेत्र का प्रतीक मानी जाती है। सुहागिन महिलाएं कुमकुम या सिंदूर से लाल बिंदी जरूर लगाएं।

मेहंदी

मेहंदी को सुहागिन का अहम शगुन माना जाता है। इसलिए हाथों पर मेहंदी लगाकर शगुन जरूर करें।

झुमके

सोलह श्रृंगार झुमकों के बिना अधूरा–सा लगता है। कहा जाता है कि महिलाओं को अपने कान सूने नहीं रखने चाहिए ।

काजल

काजल अशुभ नजरों से बचाव करता है। इसलिए काजल लगाना हर स्त्री के लिए बेहद शुभ माना जाता है

सिंदूर

सावन महीने में चटक लाल रंग का सिंदूर भरना चाहिए। मान्यता है कि इससे पति की उम्र लंबी होती है और भोलेनाथ भी प्रसन्न रहते हैं।

गजरा

जमाना चाहे कोई भी हो गजरे का ट्रैंड हमेशा एवरग्रीन रहता है। ऐसे में सावन महीने में आप पति के हाथों से गजरा जरूर पहनें।

मंगलसूत्र

सुहागिन स्त्रियों को कभी भी खाली गले से नहीं रहना चाहिए। इसके लिए सबसे आदर्श मंगलसूत्र माना जाता है।

बाजूबंद

महिलाओं का यह आभूषण सोने या चांदी से बना हुआ होता है। कहा जाता है इसे पहनने से परिवार के धन की रक्षा होती है।

हरी–लाल चूड़ियां

सावन में सिर्फ शादीशुदा ही नहीं बल्कि कुंवारी लड़कियां भी हरी–लाल चूड़ियां पहनती हैं। हरा रंग प्रकृति का माना जाता है जो जीवन में खुशियां लाता है। वहीं, लाल रंग सुहागिन औरत के जीवन में खुशियां व सौभाग्य लाता है।

नथ

हिंदू धर्म में सुहागिन स्त्रियों को नाक में कोई आभूषण पहनना अनिर्वाय माना गया है। नोजपिन को सुहाग की निशानी से जोड़कर देखा जाता है।

बिछुआ

पैरों की अंगुलियों में पहने जाने वाला ये चांदी का बिछुआ इस बात का प्रतीक होता है कि दुल्हन शादी के बाद सभी परेशानियों का हिम्मत के साथ मुकाबला करेगी.

मांग टीका

माथे के बीचों–बीच पहने जाने वाला मांग टीका हर लड़की की सुंदरता में चार चांद लगा देता है।

पायल

पांव में चांदी के पायल या पाजेब पहनना भी महिलाओं के 16 श्रृंगारों में से एक होता है

अंगूठी

अंगूठी वाली उंगली की नस मस्तिष्क से जुड़ी हुई है। माना जाता है कि इससे मस्तिष्क की सक्रियता बढ़ती है।

कमरबंद

कमरबंद प्रतीक होता है कि सुहागन अब अपने घर की स्वामिनी है

पेरेंट्स के निगेटिव कमेंट्स का बच्चे के कोमल मन पर पड़ता है बुरा असर, आज ही सुधारें ये आदत

बच्चों की अच्छी परवरिश करना कोई खेल नहीं है। हर माता–पिता अपने बच्चे को अच्छे गुण और संस्कार देना चाहते हैं। जब एक बच्चे का जन्म होता है, तो उस के साथ ही माता–पिता का भी जन्म होता है। हालांकि बच्चे की परवरिस में कई गलतियां, एक्सपीरियंस और नई–नई पेरेंट्स को भी सीखने को मिलती हैं। इसीलिए पेरेंट्स होने के नाते आपको संभलकर रहने की आवश्यकता होती है। क्योंकि आपके द्वारा की गई एक छोटी सी गलती आपके बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर बुरा असर डाल सकती है। वहीं पेरेंट्स के निगेटिव कमेंट्स का बच्चे पर बुरा असर पड़ता है।

अक्सर जब भी बच्चे गलतियां करते हैं तो पेरेंट्स उनको डांटने लगते हैं। कई मामलों में माता–पिता बच्चों को सजा भी देते हैं। बता दें कि बच्चे पर डांटने, मारने व निगेटिव बातों का बुरा असर पड़ता है और यह उनके कोमल मन को आहत करता है। आपके द्वारा कही गईं कुछ निगेटिव बातें बच्चे को डिप्रेशन का शिकार बना सकती हैं। ऐसे में अगर आप भी बच्चे के साथ इसी तरह का व्यवहार करते हैं, तो आपको अपनी आदत सुधारने की जरूरत है। आइए जानते हैं कि हर माता–पिता इन आदतों को कैसे सुधार सकता है।

सोच कर बोलें

अगर आप भी बात–बात पर बच्चों को डांटते हैं तो आप खुद को थोड़ा शांत करिए। अक्सर माता–पिता बच्चे की गलती होने पर उसे डांट देते हैं, या गुस्से में कुछ ऐसा बोल जाते हैं। जिससे बच्चे के कोमल दिल पर इसका बुरा असर पड़ता है। इसलिए बच्चे को कुछ कहने या डांटने से पहले एक बार वह चीज खुद पर अप्लाई करके देखिए। अगर कोई आपके साथ ऐसा व्यवहार करता है तो आपको कैसा लगेगा। इसी तरह बच्चे को डांटने से पहले एक बार सोच–विचार जरूर कर लें।

प्यार से समझाएं

अगर आप भी बच्चे को खाने–पीने या कपड़े आदि पहनने के स्टाइल को लेकर उसे झिड़क देते हैं या गलत शब्द कहते हैं। तो यह काफी गलत आदत है। पेरेंट्स से इस तरह की बातों से बच्चे के मन में असुरक्षा की भावना आ जाती है। इसलिए बच्चे को डांटने या निगेटिव कमेंट करने की जगह उसे प्यार से समझाएं। आप उसे सही तरीके से खाने, बात करने व कपड़े पहनने आदि के तरीकों के बारे में बता व सिखा सकते हैं।

जरूरी नहीं हर बार मिले सफलता

हर माता–पिता अपने बच्चे को लेकर काफी प्रोटेक्टिव होते हैं। ऐसे वह बच्चे से कई उम्मीदें पाल लेते हैं। वह चाहते हैं कि बच्चे हर जगह अपना बेहतर प्रदर्शन करें। लेकिन हर बार ऐसा जरूरी नहीं होता है। अगर बच्चा एग्जाम में फेल होता है, या उसके कम नंबर आते हैं तो उस पर निगेटिव कमेंट करने से बचना चाहिए। क्योंकि एक कहावत है कि इंसान अपनी गलतियों से ही सीखता है। इसलिए बच्चे को भी थोड़ी–बहुत गलती करने दें।

रोना भी है जरूरी

कई बार जब पेरेंट्स बच्चों को उनकी गलती के लिए डांट देते हैं, तो बच्चा रोने लगता है। वहीं बच्चे को रोता देख पेरेंट्स भी अपनी भावनाओं पर कंट्रोल नहीं कर पाते और बच्चे को चुप करवाने लगते हैं। लेकिन अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आपको एक बार सोचने की जरूरत है। क्योंकि कई बार बच्चों को रोने देना भी जरूरी होता है। इसलिए बच्चे को बिना कारण न मनाएं।

महीने तक खराब नहीं होंगे नींबू, स्टोर करने से पहले अपना लें ये हैक

गर्मी के मौसम में नींबू तो हर किचन में मौजूद होते हैं क्योंकि इस दौरान घरों में नींबू पानी का आनंद लिया जाता है। इसके अलावा भी इससे कई तरह की चीजें तैयार की जाती है। नींबू नेचर में थोड़ा एसिडिक होते हैं जिसके कारण इन्हें यदि सही तापमान में न रखा जाए तो यह खराब होने लगते हैं। कई महिलाएं तो महीने भर की नींबू इकट्ठे ही लाकर रख लेती हैं लेकिन ऐसे में यह खराब भी हो सकते हैं। आज आपको कुछ ऐसे आसान हैक्स बताते हैं जिनसे आपके नींबू महीने तक खराब नहीं होंगे। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

एयरटाइट कंटेनर में करें स्टोर

यदि आप चाहते हैं कि नींबू महीनों तक एकदम फ्रेश रहे तो इन्हें आप किसी एयर टाइट कंटेनर में स्टोर करके रखें। इसके लिए नींबू को धोकर अच्छी तरह सुखा लें। इसके बाद किसी पॉलिथिन में पैक करके इन्हें एयरटाइट कंटेनर में रखें। एयरटाइट कंटेनर को फ्रिज में रख दें। इससे यह बिल्कुल भी खराब नहीं होंगे और एकदम फ्रेश रहेंगे।

जिप लॉक बैग आएगा काम

इसके अलावा इन्हें स्टोर करने के लिए आप जिपलॉक बैग का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिप लॉक बैग आपको बाजार में आसानी से मिल जाएगा। इसमें नींबू रखें। इसमें रखे हुए नींबू काफी समय तक फ्रेश रहेंगे और बिल्कुल भी खराब नहीं होंगे।

तेल आएगा काम

नींबू को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए पहले आप हाथों में हल्का सा तेल लगा लें। इसके बाद इन्हें एक डिब्बे में रखें। इस डिब्बे को आप फ्रिज में रखें। इस ट्रिक के जरिए भी नींबू काफी समय तक फ्रेश रहेंगे और खराब नहीं होंगे।

एल्यूमिनियम फॉयल में लपेट कर रखें

इन्हें आप एल्यूमिनियम फॉयल में लपेट कर रख सकते हैं। इनमें लपेट कर रखने से नींबू में नमी नहीं आएगी और यह एकदम फ्रेश रहेंगे।

ब्राउन पेपर में लपेटकर रखें

नींबू को लंबे समय तक फ्रेश रखने के लिए आप इन्हें पहले धो लें। इसके बाद कॉटन के कपड़े से साफ करें। फिर इसको ब्राउन कलर के टिश्यू पेपर में लपेटकर प्लास्टिक के बॉक्स में रख दें। इसके बाद बॉक्स को ढक्कन लगा दें। डिब्बा फ्रिज में रख दें और जरुरत पड़ने पर निकाल लें। इससे नींबू एकदम फ्रेश रहेगा।

77 साल बाद इंग्लैंड के शीर्ष-4 ने एकसाथ बनाए 70+ रन

स्टोक्स ने की 89 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी

मैनचेस्टर। जो रूट के 150 रन की बदौलत इंग्लैंड ने पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में सात विकेट पर 544 रन बनाकर भारत के खिलाफ अपनी पकड़ काफी मजबूत कर ली है। भारत की पहली पारी 358 रन पर सिमटी थी जिससे इंग्लैंड की कुल बढ़त अब 186 रन की हो गई है और उसके तीन विकेट शेष है। स्टंप्स के समय इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स 77 रन पर खेल रहे थे, जबकि लियाम डॉसन 21 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए है। इस मैच में इंग्लैंड ने कई रिकॉर्ड्स भी बनाए। उसके शीर्ष चार बल्लेबाजों ने 77 साल बाद एकसाथ एक पारी में 70+ रन बनाए हैं। वहीं, कप्तान स्टोक्स ने भी 89 साल पुराने एक रिकॉर्ड की बराबरी की। आइए जानते हैं...

इंग्लैंड की पहली पारी में जैक क्राउली ने 84 रन, बेन डकेट ने 94 रन, ओली पोप ने 71 रन और जो रूट ने 150 रन की पारी खेली। 1948 के बाद इंग्लैंड के लिए टेस्ट में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब उसके शीर्ष चार बल्लेबाजों ने एक पारी में 70 से ज्यादा रन बनाए हों। इससे पहले साल 1948 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लीड्स में खेले गए टेस्ट में शीर्ष चार इंग्लिश बल्लेबाजों ने मैच की पहली पारी में 70+ रन बनाए थे। तब सर लियोनार्ड हटन ने 81 रन, साइरिल वॉशब्रूक ने 143 रन, बिल एडरिच ने 111 रन और सर एलेक बेडसर ने 79 रन की पारी खेली थी। हालांकि, वह मैच इंग्लैंड सात विकेट से हार गया था।

इसके अलावा स्टोक्स ने 89 साल पुराने एक रिकॉर्ड की बराबरी की। वह किसी एक टेस्ट में अर्धशतक लगाने और पारी में पांच विकेट लेने वाले तीसरे इंग्लिश कप्तान बन गए हैं। इससे पहले साल 1905 में

स्टैनली जैक्सन और साल 1936 में गबी एलेन ने ऐसा किया था। 1936 के बाद सीधे जाकर 2025 में इंग्लैंड के किसी कप्तान ने ऐसा किया है। स्टोक्स ने भारत की पहली पारी में साई सुदर्शन, शुभमन गिल, शार्दुल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर और अंशुल कम्बोज के विकेट समेत कुल पांच विकेट झटके थे।

वहीं, भारत के जसप्रीत बुमराह भी एक खास उपलब्धि हासिल करने की रेस में हैं। उन्होंने शुक्रवार को जेमी स्मिथ का विकेट लिया। इसी के साथ इंग्लैंड में उनके 50 टेस्ट विकेट पूरे हो गए। वह ईशांत शर्मा के बाद इंग्लिश सरजमीं पर टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारती हैं। बुमराह ईशांत की बराबरी से एक विकेट दूर हैं। वहीं, बुमराह पाकिस्तान के वसीम अकरम (53 विकेट) और ईशांत के बाद इंग्लैंड में 50 या इससे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले तीसरे एशियाई गेंदबाज भी हैं।

कंगारुओं ने 97 गेंद में बना डाले 215 रन, टिम डेविड का ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे तेज टी20 शतक

सेंट किट्स। ऑस्ट्रेलिया ने सेंट किट्स में खेले गए तीसरे टी20 में मेजबान वेस्टइंडीज को छह विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ कंगारुओं ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3–0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। तीसरे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में चार विकेट पर 214 रन बनाए थे। कप्तान शाई होप ने शतक जड़ा था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16.1 ओवर यानी 97 गेंद में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टिम डेविड ने होप के शतक पर पानी फेरते हुए अपने देश के लिए टी20 क्रिकेट का सबसे तेज शतक जड़ दिया। उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। ऑस्ट्रेलिया ने जमैका में खेले गए पहले टी20 को तीन विकेट से और दूसरे टी20 को आठ विकेट से जीता था। अब सीरीज का चौथा मुकाबला सेंट किट्स में ही 26 जुलाई को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए विंडीज को धांसू शुरुआत मिली। ब्रैंडन किंग और कप्तान होप ने पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी निभाई। किंग 36 गेंद में तीन चौके और छह छक्के की मदद से 62 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हेटमायर ने छह गेंद में नौ रन बनाए, जबकि शेरफेन रदरफोर्ड भी फेल रहे। उन्होंने 13 गेंद में 12 रन बनाए। वहीं, होप ने दूसरे छोर से चौके–छक्कों की बरसात जारी रखी। रोवमन पॉवेल पांच गेंद में नौ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, रोमारियो शेफर्ड ने तीन गेंद में नाबाद नौ रन बनाए। होप ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का अपना पहला शतक लगाया। वह 57 गेंद में आठ चौके और छह छक्कों की मदद से 102 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस, एडम जैम्पा और मिचेल ओवेन को एक–एक विकेट मिला। 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 87 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। कप्तान मार्श 19 गेंद में पांच चौके की मदद से 22 रन, ग्लेन मैक्सवेल सात गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 20 रन, जोश इंगलिस छह गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 15 रन और कैमरन ग्रीन 14 गेंद में 11 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद टिम डेविड और मिचेल ओवेन ने धमाकेदार पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाकर ही लौटे। ओवेन 16 गेंद में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 36 रन बनाकर नाबाद रहे। 16 ओवर की समाप्ती के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 211 रन था। उन्हें जीत के लिए चार रन की जरूरत थी, जबकि डेविड को शतक के लिए भी चार रन की दरकार थी। 17वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाकर डेविड ने अपना शतक भी पूरा किया और कंगारुओं को जीत भी दिलाई।

संक्षिप्त

मोबाइल फोन पीएलआई योजना से 1.3 लाख रोजगार सृजित : सरकार

सरकार ने शुक्रवार को संसद में कहा कि बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना से जून 2025 तक 1.3 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को बताया कि इस योजना के तहत 12,390 करोड़ रुपये का कुल निवेश और 8.44 लाख करोड़ रुपये का कुल उत्पादन हुआ है। उन्होंने कहा, ''भारत ने खुद को मोबाइल फोन के शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक में बदल लिया है। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल विनिर्माता देश है। पीएलआई योजना से भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश, उत्पादन, निर्यात और रोज़गार सृजन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा मिला है।'' मंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत भारत ने 4.65 लाख करोड़ रुपये मूल्य के सामान का निर्यात किया है। प्रसाद द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत से मोबाइल फोन का निर्यात 127 गुना बढ़कर 2024–25 में दो लाख करोड़ रुपये हो गया जो 2014–15 में 1,500 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि 2014–15 में देश में मोबाइल फोन की 75 प्रतिशत मांग आयात से पूरी की जाती थी जो 2024–25 में घटकर 0.02 प्रतिशत रह गई है।

सरकार ने आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर को आरबीआई बोर्ड में नियुक्त किया

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने आर्थिक मामलों की सचिव अनुराधा ठाकुर को केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल में नियुक्त किया है। ठाकुर ने अजय सेठ का स्थान लिया है, जो नॉर्थ ब्लॉक (वित्त मंत्रालय) में चार साल के कार्यकाल के बाद 30 जून को सेवानिवृत्त हुए। वर्ष 1994 बैच की हिमाचल प्रदेश कैडर की आईएएस अधिकारी ठाकुर ने एक जुलाई को आर्थिक मामलों के विभाग का कार्यभार संभाला। आरबीआई ने एक बयान में कहा, केंद्र ने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर को भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड में अजय सेठ के स्थान पर निदेशक के रूप में नामित किया है। ठाकुर को 24 जुलाई, 2025 से अगले आदेश तक के लिए नामित किया गया है। आर्थिक मामलों की सचिव के अलावा, आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल में सरकार द्वारा नामित अन्य निदेशक वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने मछली चारे की खरीद के नए मानदंडों की घोषणा की

महाराष्ट्र सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मछली आहार की खरीद संबंधी नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। राज्य के मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नए निर्देश मत्स्य पालन परियोजनाओं को अधिक कुशल एवं आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही स्थानीय मछली आहार निर्माताओं को भी प्रोत्साहित करेंगे।

राणे ने कहा, ''फिलहाल अधिकांश मछली चारा या आहार आयात किया जाता है। स्थानीय उत्पादकों को बढ़ावा देने और सख्त गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए मत्स्य विभाग ने खरीद के दिशानिर्देशों का एक नया 'समूह' लागू करने का निर्णय लिया है।'' उन्होंने बताया कि नए नियमों के तहत, महाराष्ट्र में सभी सरकारी सब्सिडी वाली मत्स्य पालन परियोजनाओं को केवल सरकार से पंजीकृत, प्रायोजित, या मान्यता–प्राप्त पायलट आहार उत्पादकों से ही आहार खरीदना होगा। राणे ने कहा कि महाराष्ट्र ने केंद्रीय और राज्य वित्तीय सहायता के तहत विभिन्न मत्स्य पालन पहल शुरू की हैं। इनमें मछली बीज उत्पादन और संरक्षण केंद्र, पिंजरा पालन, बायोफ्लोक सिस्टम, आरएएस (रीसर्कुलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम) और नर्सरी तालाब शामिल हैं। इन परियोजनाओं को पूरी क्षमता से संचालित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले मछली आहार की निरंतर आपूर्ति की जरूरत होती है। नए मानदंडों के अनुसार, मछली आहार को आईएसआई, बीआईएस, या एफएसएसएआई जैसे नियामकीय निकायों से प्रमाणित किया जाना चाहिए। आहार की पैकेजिंग पर प्रोटीन, वसा, नमी और कार्बोहाइड्रेट जैसे पोषण मूल्यों के साथ निर्माण और खराब होने की तिथि का भी स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए।

एक्मे सोलर का जून तिमाही में शुद्ध लाभ उछलकर 131 करोड़ रुपये पर

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ कई गुना बढ़कर 131 करोड़ रुपये हो गया। उच्च राजस्व और बेहतर परिचालन क्षमता के कारण लाभ बढ़ा है। कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में एक करोड रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एक्मे सोलर का कुल राजस्व 72 प्रतिशत बढ़कर 584 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में यह 340 करोड़ रुपये था। एक्मे सोलर के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार उपाध्याय ने कहा, हमें मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और सार्थक परिचालन प्रगति के साथ एक और मजबूत तिमाही की रिपोर्ट करते हुए गर्व हो रहा है। हमें अपनी दीर्घकालिक विकास यात्रा पर पूरा यकीन है और हम सभी संबंधित पक्षों को को स्थायी मूल्य देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कंपनी ने जून तिमाही में 350 मेगावाट की परियोजनाएं शुरू कीं।

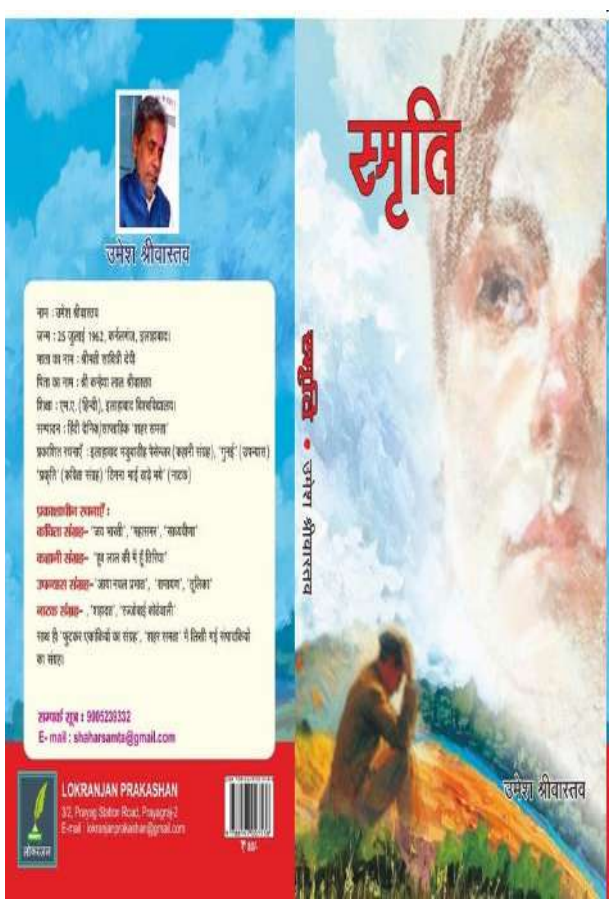

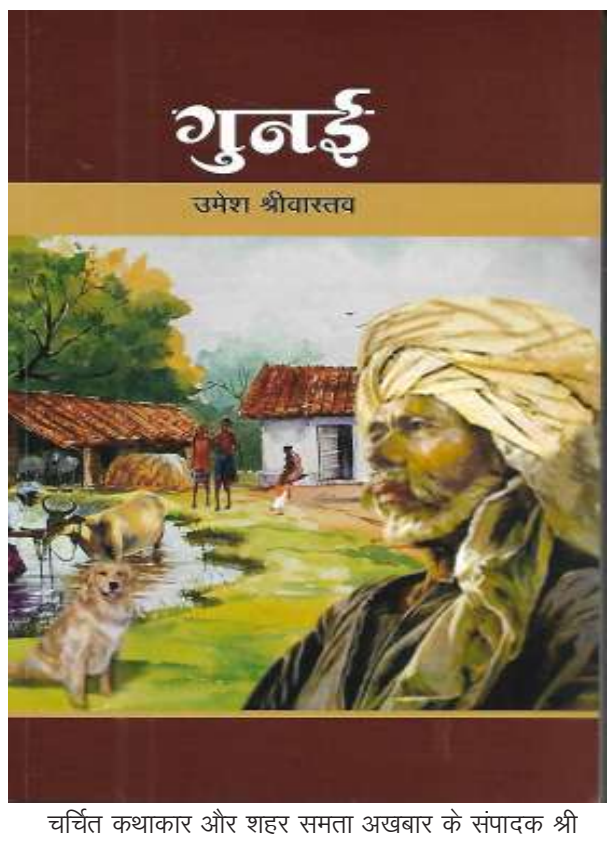

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

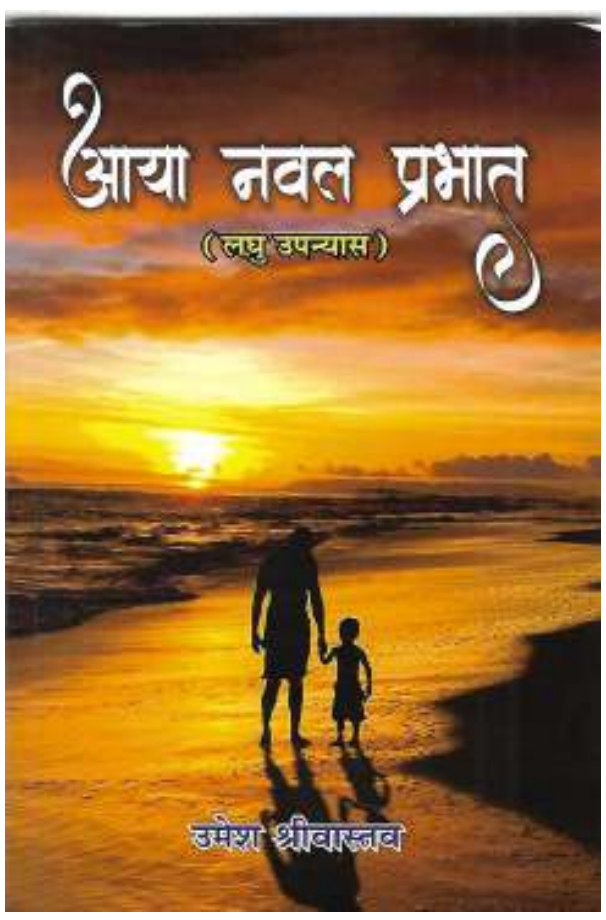

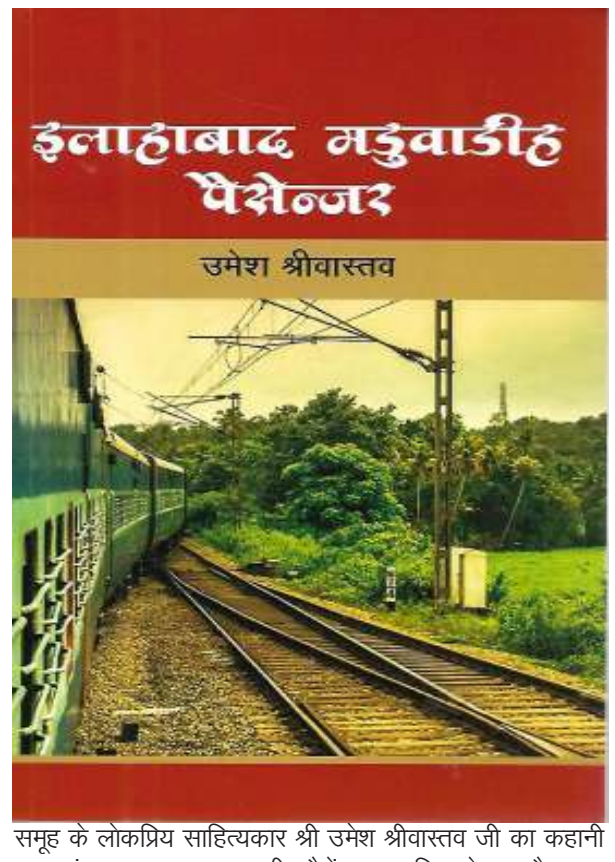

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

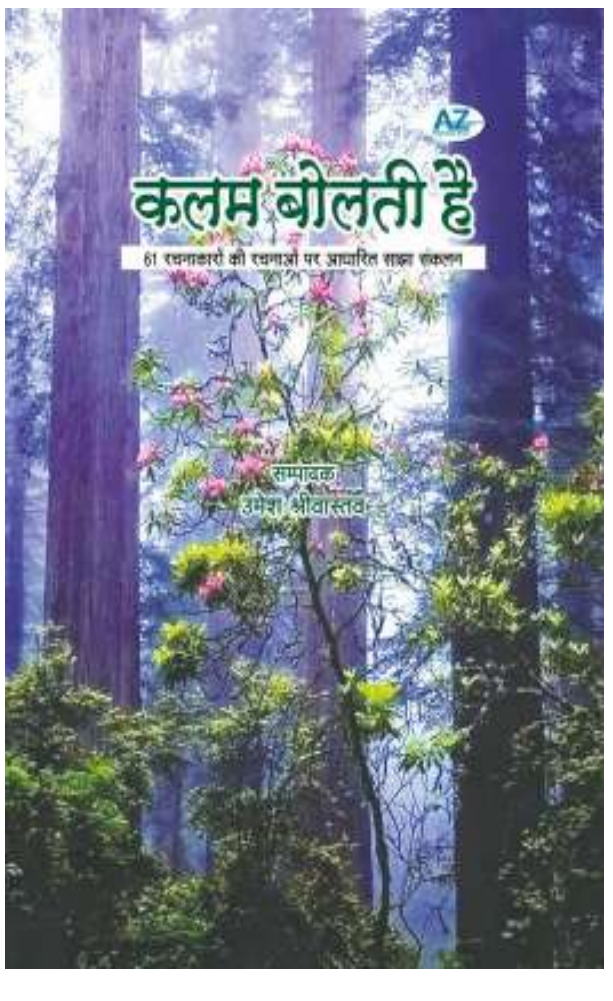

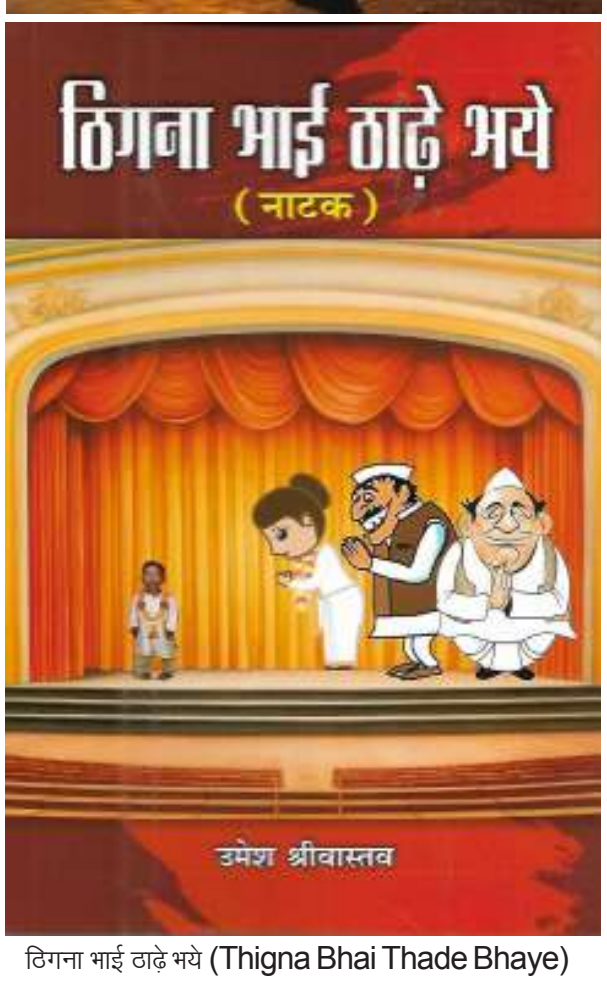

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

पेरू में लीमा से अमेजन जा रही बस एंडीज में राजमार्ग पर पलटी, कम से कम 18 लोगों की मौत

पेरू में लीमा से अमेजन क्षेत्र जा रही एक बस एंडीज पर्वतमाला में एक राजमार्ग पर पलट गई जिससे कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 48 अन्य लोग घायल हो गए। प्राधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जूनिन के स्वास्थ्य निदेशक क्लिफोर क्यूरीपाको ने संवाददाताओं को बताया कि 'एक्सप्रेसो मोलिना लिडर इंटरनेशनल' कंपनी की एक 'डबल–डेकर'

बस जूनिन क्षेत्र के पाल्का जिले में सड़क से फिसलकर एक ढलान से नीचे गिर गई। अधिकारी दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं। स्थानीय टेलीविजन चौनलों पर प्रसारित वीडियो में बस दो हिस्सों में टूटी दिख रही है और अग्निशमन विभाग एवं पुलिसकर्मी घायलों को बचाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इससे पहले तीन जनवरी को भी एक बस नदी में गिर गई थी। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी और 32 लोग घायल हो गए थे। अटॉर्नी जनरल कार्यालय द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि चालकों द्वारा लापरवाही और अत्यधिक रफ्तार से वाहन चलाना पेरू में दुर्घटनाओं का मुख्य कारण है।

युद्ध के मुहाने पर थाईलैंड–कंबोडिया! 8 सीमावर्ती जिलों में मार्शल लॉ घोषित

दोनों देशों के बीच भारी गोलाबारी जारी रहने के बीच थाईलैंड ने कंबोडिया की सीमा से लगे आठ जिलों में मार्शल लॉ घोषित कर दिया। चंथाबुरी और ट्राट प्रांतों में सेना की सीमा रक्षा कमान के कमांडर अपिचार्ट सैप्रासर्ट ने एक बयान में कहा कि चंथाबुरी के सात जिलों और ट्राट के एक जिले में अब मार्शल लॉ लागू है। सैन्य सीमा कमांडर ने कहा कि यह निर्णय थाई क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए कंबोडिया द्वारा बल प्रयोग के कारण लिया गया। यह घटनाक्रम थाई अधिकारियों द्वारा यह कहे जाने के कुछ ही घंटों बाद सामने आया है कि उनका देश कंबोडिया के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बजाय द्विपक्षीय वार्ता का पक्षधर है। हालांकि, थाईलैंड ने कंबोडिया को चेतावनी दी है कि उसका संघर्ष संभावित रूप से युद्ध में बदल सकता है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई ने कहा कि बैंकॉक अपने क्षेत्र और संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। थाईलैंड और कंबोडिया सीमा विवाद अचानक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया, जब 23 जुलाई को सीमा पर तैनात एक थाई सैनिक विस्फोट में घायल हो गया। यह विस्फोट वहां हुआ, जहां दोनों देशों की सेनाएं मई से आमने–सामने तैनात थीं। थाईलैंड ने इसका आरोप कंबोडिया पर लगाया और इसे पूर्व नियोजित उकसावा करार दिया। गुरुवार को थाई अधिकारियों ने दावा किया कि कंबोडियाई सेना ने थाईलैंड के 4 सीमावर्ती प्रांतों (सुरिन, सिसाकेत, बुरीराम और उदोन थानी) में रॉकेट दागे। इस हमले में 11 थाई नागरिक और एक सैनिक की मौत हो गई। जवाब में थाई वायुसेना के एफ–16 लड़ाकू विमानों ने कंबोडिया पर हमले किए। थाईलैंड के गांवों से आए वीडियो में दिखा कि नागरिक अपने घरों को छोड़कर बंकरों में शरण ले रहे हैं। हमले के बाद दोनों देशों के बीच संबंध बेहद खराब हो गए। थाईलैंड ने कंबोडियाई राजदूत को निष्कासित कर दिया और सभी बॉर्डर चेकपॉइंट बंद कर दिए। कंबोडिया ने भी बैंकॉक स्थित अपने दूतावास को खाली कर दिया। इस पूरे विवाद की वजह डंगरेक पहाड़ियों में स्थित 900 साल पुराना शिव मंदिर (प्रासात ता मुएन थोम) है।

एक फ़ोन कॉल ने कंबोडिया–थाईलैंड सीमा पर भड़काया खूनी संघर्ष, बढ़ रहा है मौतों का आंकड़ा

समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच थाईलैंड ने अपने आठ सीमावर्ती प्रांतों में आपातकाल की घोषणा कर दी है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा करने से बचें, सतर्क रहें और संघर्ष बढ़ने पर आधिकारिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले, थाईलैंड ने कंबोडिया के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए तीसरे देशों की मध्यस्थता के प्रयासों को अस्वीकार कर दिया था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा संघर्ष शुक्रवार को नाटकीय रूप से बढ़ गया, दोनों पक्षों के बीच एक दशक से भी ज़्यादा समय में हुए सबसे भीषण टकराव में भारी गोलाबारी और रॉकेट दागे गए। कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है – 14 थाईलैंड में और एक कंबोडिया में – जबकि 1,20,000 से ज़्यादा लोग अपने घरों से भागने को मजबूर हुए हैं।

वह फ़ोन कॉल जो लड़ाई के पीछे राजनीतिक कलह बन गई

कंबोडिया और थाईलैंड, जो लंबे समय से पड़ोसी हैं और जिनके बीच सीमा विवादों का इतिहास रहा है, खुद को हिंसा के एक और चक्र में पा रहे हैंकृ इस बार हाल के दिनों की तुलना में कहीं ज़्यादा घातक।

लेकिन इस झड़प में इतनी नाटकीय वृद्धि किस वजह से हुई?

पिछले महीने तनाव तब और बढ़ गया जब कंबोडिया के पूर्व प्रधानमंत्री हुन सेन ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के साथ एक फ़ोन कॉल को सार्वजनिक रूप से लीक कर दिया। कॉल में पैतोंगतार्न ने हुन सेन को ष्चाचाष् कहकर संबोधित किया और उन्हें एक थाई सैन्य कमांडर की आलोचना करते सुना गया। इस लीक ने थाईलैंड में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया और पैतोंगतार्न को निलंबित कर दिया गया। देश का संवैधानिक न्यायालय वर्तमान में उन्हें पद से हटाने पर विचार कर रहा है। हुन सेन ने शिनावात्रा के साथ अपने परिवार के दशकों पुराने घनिष्ठ संबंधों के बावजूद, कॉल को लीक करने का फैसला क्यों किया, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। लेकिन इसका असर अब युद्ध के मैदान तक पहुँच गया है, जहाँ राजनयिक रास्ते बंद हो गए हैं और सीमा पर हिंसा बढ़ गई है।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा संघर्ष शनिवार को तीसरे दिन भी जारी

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा संघर्ष शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा, जिससे हज़ारों नागरिक अपने घरों से पलायन कर गए हैं, जिससे दोनों दक्षिण–पूर्व एशियाई पड़ोसियों के बीच लंबे और घातक संघर्ष की आशंकाएँ बढ़ गई हैं। कंबोडियाई अधिकारियों ने शनिवार को 12 और मौतों की सूचना दी – सात नागरिक और पाँच सैनिक – जिससे दोनों देशों में मरने वालों की कुल संख्या कम से कम 32 हो गई। ये मौतें ता मुएन थॉम मंदिर और विवादित 800 किलोमीटर (500 मील) सीमा पर अन्य विवादित क्षेत्रों के पास चल रही झड़पों के बीच हुईं।

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष से मौतों के आकड़ों में वृद्धि

कंबोडिया ने शुक्रवार को शुरुआत में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की थी, जब एक थाई रॉकेट के एक बौद्ध शिवालय से टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस बीच, थाई अधिकारियों ने कहा कि उनके छह सैनिक और बच्चों समेत 13 नागरिक मारे गए हैं। थाई स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दर्जनों अन्य घायल हुए हैंकृ29 थाई सैनिक और 30 नागरिक। कंबोडिया ने शुक्रवार को एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की थी, जब एक थाई रॉकेट के एक बौद्ध शिवालय से टकराने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस बीच, थाई अधिकारियों ने कहा कि उनके छह सैनिक और बच्चों समेत 13 नागरिक मारे गए हैं। थाई स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दर्जनों अन्य घायल हुए हैंकृ29 थाई सैनिक और 30 नागरिक। लड़ाई के कारण अब तक 81,000 से ज़्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं। थाई स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 58,000 लोग चार प्रभावित प्रांतों में शरण ले रहे हैं, जबकि कंबोडिया के गृह मंत्रालय ने ओड्डार मींचे प्रांत और आसपास के इलाकों से 23,000 से ज़्यादा लोगों को निकाले जाने की पुष्टि की है।

अस्पतालों और स्कूलों पर गोलाबारी

बुधवार को एक बारूदी सुरंग विस्फोट, जिसमें पाँच थाई सैनिक घायल हुए थे, के बाद शुरू हुई हिंसा ने व्यापक नुकसान पहुँचाया है। कंबोडियाई अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को थाई रॉकेटों ने एक स्कूल परिसर पर हमला किया, हालाँकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। थाईलैंड के फानोम डोंग राक जिले में एक अस्पताल को भी गोलाबारी से नुकसान पहुँचा, जिससे खिड़कियाँ टूट गईं और उसकी छत क्षतिग्रस्त हो गई। थाई अधिकारियों ने कंबोडियाई बलों पर भारी तोपखाने और रूस निर्मित ठड–21 रॉकेट लॉन्चरों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है, जिसके कारण बैंकॉक ने इसे ष्उचित सहायक गोलाबारीष् बताया है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने थाईलैंड पर नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए जवाब दिया और सवाल किया कि बिना वायु सेना वाला एक छोटा देश एक बड़ी, बेहतर सुसज्जित सेना को कैसे उकसा सकता है।

युद्धविराम और संयम का आह्वान

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में एक आपातकालीन बंद कमरे में बैठक आयोजित की। हालाँकि कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन कथित तौर पर सभी 15 सदस्यों ने दोनों पक्षों से तनाव कम करने, अधिकतम संयम बरतने और शांतिपूर्ण समाधान निकालने का आग्रह किया। आपातकालीन बैठक का अनुरोध करने वाले कंबोडिया के संयुक्त राष्ट्र राजदूत चिया केओ ने बिना शर्त युद्धविराम का आह्वान किया। उन्होंने आक्रामकता के आरोपों को खारिज करते हुए संवाददाताओं से कहा, हम विवाद के शांतिपूर्ण समाधान का भी आह्वान करते हैं। हम ऐसा नहीं करते, केओ ने कंबोडिया की सैन्य कमज़ोरियों पर प्रकाश डालते हुए कहा। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री, फुमथम वेचायाचाई ने कहा कि नागरिकों की मौत और चिकित्सा सुविधाओं पर हमलों के कारण कंबोडिया युद्ध अपराधों का दोषी हो सकता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि थाईलैंड ने उकसावे के सामने अत्यंत संयम और धैर्य दिखाया है।

फँसे और भयभीत नागरिक

सीमा के दोनों ओर, परिवारों को गोलीबारी के बीच भागने पर मजबूर होना पड़ा है। थाईलैंड के सुरिन प्रांत में, लगभग 600 विस्थापितों ने एक विश्वविद्यालय के व्यायामशाला में शरण ली। दर्जिन पोर्नपैन सूकसाई ने बताया कि कैसे वे अपनी चार बिल्लियों के साथ अपने घर से भागीं क्योंकि पास में विस्फोटों की गूँज सुनाई दे रही थी। उन्होंने याद करते हुए कहा, ष्मैंने बस धमाका, धमाका सुना... मैं डर गई, सहम गई।

कंबोडिया के ग्रामीण ओड्डार मीनचे प्रांत में, ग्रामीणों ने अस्थायी बंकर खोदे और मंदिरों में शरण ली। 74 वर्षीय किसान वेंग चिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सरकारें किसी समझौते पर बातचीत करेंगी ताकि मैं अपने घर लौट सकूँ और खेत पर काम कर सकूँ।

आसियान और अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता के प्रयास

इस संघर्ष पर क्षेत्रीय साझेदारों की ओर से दुर्लभ आलोचना और चिंता व्यक्त की गई है। दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान), जिसमें दोनों देश शामिल हैं, ने शांति बनाए रखने का आह्वान किया है।

मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, जो वर्तमान में इस समूह के अध्यक्ष हैं, ने कहा कि कंबोडिया और थाईलैंड दोनों युद्धविराम और सैनिकों की वापसी पर सहमत हो गए हैं, लेकिन समझौते को लागू करने से पहले उन्हें और समय चाहिए। अनवर ने कहा कि उन्होंने कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट और थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम, दोनों से सीधे बात की है और शांति वार्ता को सुगम बनाने में मलेशिया के समर्थन की पेशकश की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी दोनों पक्षों से बल प्रयोग के बजाय कूटनीति को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

ईरान के जाहेदान में बहुत बड़ा आतंकी हमला, 8 की मौत, 13 घायल

दक्षिण–पूर्वी ईरान में एक घातक आतंकवादी हमला हुआ जब हथियारबंद आतंकवादियों ने सिस्तान–बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी ज़ाहेदान में एक न्यायिक भवन पर धावा बोल दिया। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, इस हमले में कम से कम आठ लोग मारे गए, जिनमें पाँच नागरिक और तीन

हमलावर शामिल हैं। अशांत क्षेत्र में सक्रिय सुन्नी आतंकवादी समूह जैश अल–अदल ने अर्ध–सरकारी फ़ार्स समाचार एजेंसी द्वारा उद्धृत एक बयान के माध्यम से हमले की ज़िम्मेदारी ली है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अदालत के आसपास गोलीबारी और विस्फोटों की आवाज़ें सुनी गईं, और ऐसे संकेत हैं कि हमले में एक आत्मघाती हमलावर शामिल हो सकता है। समाचार पोर्टल मिज़ान ऑनलाइन के अनुसार, बंदूकधारियों ने मध्य ज़ाहेदान स्थित न्यायपालिका परिसर के अंदर न्यायाधीशों के कक्षों पर धावा बोल दिया। मेहर समाचार एजेंसी और ईरान की सरकारी समाचार सेवा इरना ने पुष्टि की है कि कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बलूच क्षेत्र पर नज़र रखने वाले मानवाधिकार संगठन HAALVSH ने बताया कि हमले के दौरान कई न्यायिक अधिकारी और सुरक्षाकर्मी मारे गए या घायल हुए। सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और हमलावरों को बेअसर करने में कामयाब रहे। अधिकारियों ने मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि की है।

पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के साथ ईरान की सीमा पर स्थित सिस्तान–बलूचिस्तान प्रांत लंबे समय से जातीय, धार्मिक और राजनीतिक अशांति का केंद्र रहा है। यह क्षेत्र मुख्यतः सुन्नी मुस्लिम बलूच अल्पसंख्यकों का घर है, जिन्होंने आर्थिक हाशिए पर होने और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की कमी को लेकर अक्सर अपनी शिकायतें व्यक्त की हैं।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर.9190052 39332
.919450482227